PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक

भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जो आपको सच बताता है, वही आपका सच्चा हितैषी Because sweet lies often lead astray, while bitter truth shows the right direction. है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-153 | झुंझुनू (राजस्थान) | सोमवार, 27 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट
हरेश पंवार
Contact No.
9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

मीठे शब्दों का जाल और कड़वी सच्चाई का साहस '

समाज में संबंधों की पहचान अक्सर शब्दों से की जाती है। जो व्यक्ति मीठा बोलता है, विनम्र दिखाई देता है और हर बात में हमारी प्रशंसा करता है, हम सहज ही उसे अपना हितैषी मान लेते हैं। इसके विपरीत, जो व्यक्ति हमारी गलतियों पर सवाल उठाता है, टोकता है या कभी-कभी कठोर शब्दों का प्रयोग करता है, उसे हम नकारात्मक दृष्टि से देखने लगते हैं। लेकिन क्या सचमुच मीठा बोलने वाला हर व्यक्ति मित्र होता है और डांटने वाला हर व्यक्ति शत्रु? यह प्रश्न आज के सामाजिक जीवन में गहन चिंतन का विषय बन गया है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

वास्तव में, समाज में दो प्रकार के लोग होते हैं। एक वे, जो स्पष्टवादी होते हैं—जो हमारी गलतियों को पहचानते हैं और हमें सुधारने का प्रयास करते हैं। दूसरे वे, जो चापलूसी की चादर ओढ़कर हमारे सामने मीठी बातें करते हैं, लेकिन भीतर ही भीतर हमारे व्यक्तित्व और आत्मविश्वास को कमजोर करते रहते हैं। यह दूसरा वर्ग अधिक खतरनाक होता है, क्योंकि यह व्यक्ति को धीरे-धीरे गलत दिशा में ले जाता है और उसे इसका आभास भी नहीं होने देता। आज के दौर में 'मीठे शब्द' एक प्रकार का सामाजिक हथियार बन चुके हैं। कई लोग अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए अत्यधिक विनम्रता और मधुर भाषा का प्रयोग करते हैं। वे सामने हमारी प्रशंसा करते हैं, हमारी हर बात से सहमति जताते हैं और हमें यह विश्वास दिलाते हैं कि वे हमारे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन यही लोग पीठ पीछे हमारी प्रगति में बाधा डालते हैं, हमारी छवि को नुकसान पहुंचाते हैं और हमारे आत्मविश्वास को कमजोर करते हैं। यह स्थिति उस दीमक के समान है, जो लकड़ी को बाहर से मजबूत दिखाते हुए अंदर ही अंदर खोखला कर देती है। इसके विपरीत, सच्चे हितैषी अक्सर कठोर प्रतीत होते हैं। माता-पिता, गुरु और सच्चे मित्र वही होते हैं, जो हमें गलत रास्ते पर चलने से रोकते हैं। वे हमारी कमियों को उजागर करते हैं और हमें बेहतर बनने के लिए प्रेरित करते हैं। कभी-कभी उनके शब्द कड़वे लग सकते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य केवल हमारा भला होता है। वे हमें गिरने से बचाने के लिए समय रहते चेतावनी देते हैं।

इतिहास और समाज दोनों इस बात के साक्षी हैं कि कड़वी सच्चाई ही व्यक्ति को आगे बढ़ने का मार्ग दिखाती है। यदि कोई व्यक्ति केवल प्रशंसा सुनता रहे, तो वह अपनी कमजोरियों को कभी पहचान नहीं पाएगा। आत्म-सुधार के लिए आवश्यक है कि हमें कोई ऐसा व्यक्ति मिले, जो हमें हमारी वास्तविकता का आईना दिखा सके। यही आईना हमें अपनी कमियों को समझने और उन्हें दूर करने की प्रेरणा देता है। दूसरी ओर, चापलूसी व्यक्ति को भ्रम में डाल देती है। वह स्वयं को पूर्ण समझने लगता है और अपनी गलतियों को नजरअंदाज करने लगता है। यह स्थिति धीरे-धीरे उसके पतन का कारण बनती है। जब तक उसे सच्चाई का एहसास होता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपने जीवन में ऐसे लोगों की पहचान करें, जो हमें सच्ची दिशा दिखाते हैं।

यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि स्पष्टवादिता और कटुता में अंतर होता है। सच्चा हितैषी कभी अपमानित करने के लिए कठोर शब्दों का प्रयोग नहीं करता, बल्कि उसका उद्देश्य केवल सुधार होता है। वहीं, कुछ लोग अपनी कटुता को 'सच बोलना' कहकर दूसरों को आहत करते हैं। इसलिए हमें यह समझने की आवश्यकता है कि कौन व्यक्ति वास्तव में हमारा भला चाहता है और कौन केवल अपनी भावनाओं को थोप रहा है। आज के समय में सोशल मीडिया ने भी इस प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। लोग लाइक्स और कमेंट्स के माध्यम से एक-दूसरे की प्रशंसा करते हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में सच्चे संवाद की कमी होती जा रही है। इस आभासी दुनिया में सच्चाई और चापलूसी के बीच अंतर करना और भी कठिन हो गया है। ऐसे में विवेक और समझदारी का होना अत्यंत आवश्यक है।

अंततः, यह हमारे ऊपर निर्भर करता है कि हम किस प्रकार के लोगों को अपने जीवन में स्थान देते हैं। यदि हम केवल मीठी बातें सुनने के आदी हो जाएंगे, तो हम अपनी प्रगति के रास्ते को स्वयं ही अवरुद्ध कर देंगे। लेकिन यदि हम कड़वी सच्चाई को स्वीकार करने का साहस रखते हैं, तो हम निरंतर सुधार की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

इसलिए, सच्चा मित्र वही है, जो हमें हमारी गलतियों का एहसास कराए, चाहे उसके शब्द थोड़े कठोर ही क्यों न हों। क्योंकि चिकनी-चुपड़ी बातें हमें भटका सकती हैं, लेकिन सच्चाई—चाहे वह कितनी ही कड़वी क्यों न हो—हमें फर्श से अर्श तक पहुंचाने की क्षमता रखती है।

बालिका सैनिक स्कूल: बीकानेर-सीकर में 157 छात्राओं का चयन, 30 अप्रैल तक रिपोर्टिंग अनिवार्य

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर/सीकर।

प्रदेश में बेटियों की शिक्षा और सैन्य अनुशासन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए बीकानेर और सीकर में शुरू हो रहे बालिका सैनिक स्कूलों के लिए प्रथम चरण में 157 छात्राओं का चयन किया गया है।बीकानेर के जयमलसर स्थित रामी देवी रामनारायण राठी बालिका सैनिक स्कूल में 78 छात्राओं तथा सीकर के महाराव शेखा जी राजकीय बालिका सैनिक स्कूल में 79 छात्राओं को अंतिम रूप से चयनित किया गया है। चयनित छात्राओं को 30 अप्रैल तक संबंधित स्कूलों में अनिवार्य रूप से रिपोर्टिंग करनी होगी। यदि निर्धारित तिथि तक रिपोर्टिंग नहीं की जाती है तो प्रवेश स्वतः निरस्त कर दिया जाएगा और ऐसी स्थिति में वेटिंग सूची की छात्राओं को मौका दिया जाएगा। दोनों स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया कक्षा 6 से शुरू की गई है और प्रत्येक कक्षा में 80-80 सीटें निर्धारित हैं। यहां सीबीएसई पैटर्न पर अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा दी जाएगी ताकि छात्राओं को आधुनिक और प्रतिस्पर्धात्मक माहौल मिल सकें। प्रवेश से जुड़े किसी भी विवाद का अंतिम निर्णय संयुक्त निदेशक, स्कूली शिक्षा स्तर पर किया जाएगा।माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद रिक्त सीटों की जानकारी पंजीयक, शिक्षा विभागीय परीक्षाएं, राजस्थान, बीकानेर को भेजी जाएगी ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके। दोनों स्कूलों में प्रिंसिपल सहित 14 कार्मिकों की नियुक्ति भी कर दी गई है।

प्रवेश में बीपीएल और खाद्य सुरक्षा योजना से जुड़े परिवारों की बालिकाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। जिन परिवारों की वार्षिक आय 7 लाख रुपए तक है, उन्हें सभी प्रकार के शुल्क में 100 प्रतिशत छूट मिलेगी। 7 से 9 लाख रुपए आय वाले परिवारों को 50 प्रतिशत और 9 से 11 लाख रुपए आय वालों को 25 प्रतिशत छूट दी जाएगी, जबकि 7 लाख रुपए से अधिक आय वालों को केवल शिक्षण शुल्क में ही छूट का लाभ मिलेगा। सैनिक स्कूल की वार्षिक फीस संरचना के तहत ट्यूशन फीस 50 हजार रुपए, हॉस्टल फीस 50 हजार रुपए, डाइट फीस 40 हजार रुपए और ड्रेस के लिए 2 हजार रुपए निर्धारित किए गए हैं। रिपोर्टिंग के समय छात्राओं को आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, दो पासपोर्ट साइज फोटो तथा बीपीएल या खाद्य सुरक्षा से संबंधित दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य होगा। यह पहल प्रदेश की बेटियों के लिए न केवल बेहतर शिक्षा का अवसर प्रदान करेगी, बल्कि उन्हें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और रक्षा सेवाओं की ओर प्रेरित करने में भी अहम भूमिका निभाएगी।

साइबर अपराधियों पर कड़ा प्रहार, 'अभेद्य एप' बना आमजन की सुरक्षा का सशक्त हथियार

एसपी निकिता खट्टर के नेतृत्व में जागरूकता अभियान तेज

हर नागरिक तक पहुंचेगा 'अभेद्य एप', ठगी करने वालों के मंसूबे होंगे नाकाम

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा पुलिस द्वारा साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और आमजन को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से 'अभेद्य एप' के रूप में एक सशक्त पहल शुरू की गई है। पुलिस महानिदेशक हरियाणा, श्री अजय सिंघल, आईपीएस द्वारा लॉन्च किया गया यह एप जहां साइबर अपराधियों के लिए कड़ी चेतावनी साबित हो रहा है, वहीं आमजन के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच के रूप में उभरकर सामने आया है। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस के नेतृत्व में जिले में 'अभेद्य एप' के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में सभी थाना प्रबंधकों, सीआईए स्टाफ इंचार्ज एवं उप पुलिस अधीक्षकों को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं कि वे जन-जागरूकता अभियान को मिशन मोड में संचालित करें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी विदेशी नंबरों से कॉल कर लोगों को डराकर, धमकाकर या झांसा देकर ठगी करने का प्रयास करते हैं। ऐसे अपराधियों के खिलाफ 'अभेद्य एप' एक प्रभावी हथियार साबित होगा। यह एप संदिग्ध कॉलों की पहचान करने और उनसे बचाव के लिए आमजन को तुरंत सतर्क करता है, जिससे अपराधियों के मंसूबों पर पानी फिर जाता है। उन्होंने बताया कि 'अभेद्य एप' के माध्यम से आमजन को न केवल सुरक्षा मिलती है, बल्कि वे स्वयं भी जागरूक होकर साइबर अपराधों के खिलाफ मजबूत भूमिका निभा सकते हैं। यह पहल नागरिकों और पुलिस के बीच सुरक्षा सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करेगी। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि 'अभेद्य एप' के प्रचार-प्रसार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। इसके लिए रेडियो, टीवी, सोशल मीडिया, ग्राम चौपाल, स्कूल-कॉलेज एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों सहित सभी माध्यमों का प्रभावी उपयोग किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस एप से जुड़ सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पुलिस अधिकारी स्वयं आगे आकर इच्छुक नागरिकों को एप डाउनलोड करवाने, पंजीकरण कराने एवं इसके उपयोग की जानकारी दें। इस कार्य के लिए इंचार्ज साइबर सेल, पुलिस अधीक्षक कार्यालय फतेहाबाद को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला फतेहाबाद में अब तक 08 नागरिकों को व्यक्तिगत रूप से यह एप डाउनलोड करवाया जा चुका है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि इस अभियान को केवल औपचारिकता न समझा जाए, बल्कि इसे जनसुरक्षा के एक महत्वपूर्ण मिशन के रूप में लिया जाए। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से अब सुरक्षा में आमजन की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है।

आमजन से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी वास्तविक पुलिस अधिकारी फोन पर ओटीपी या पैसे की मांग नहीं करता। किसी भी संदिग्ध कॉल पर घबराएं नहीं, बल्कि सतर्क रहें, उसकी पुष्टि करें और तुरंत पुलिस को सूचित करें। उन्होंने यह भी अपील की कि जिन नागरिकों को लगता है कि वे किसी भी प्रकार की एक्सटॉर्शन कॉल या फ्रॉड कॉल के शिकार बन सकते हैं, तो वे अपने नजदीकी थाना या पुलिस कार्यालय में संपर्क कर 'अभेद्य एप' का लाभ अवश्य लें। अंत में उन्होंने कहा, 'साइबर अपराधियों के लिए अब बचना आसान नहीं है, जबकि 'अभेद्य एप' आमजन के लिए सुरक्षा, विश्वास और जागरूकता का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है।'

पीए की बेटी नम्रता नारोलिया बनी RAS, चाकसू में खुशी की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज.चाकसू।

पूर्व कैबिनेट मंत्री व पिलानी विधायक काका सुंदरलाल के निजी सहायक रहे चित्रगुप्त नारोलिया की बेटी नम्रता सिंह नारोलिया ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) में अंतिम रूप से चयन प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नम्रता वर्तमान में महिला एवं बाल विकास विभाग में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थीं और अपनी मेहनत, अनुशासन व लगन के दम पर यह सफलता हासिल की। उनकी इस उपलब्धि से चाकसू क्षेत्र में खुशी का माहौल है। नम्रता ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, गुरुजनों व साथियों को देते हुए कहा कि निरंतर अध्ययन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की कुंजी है, साथ ही उन्होंने भविष्य में आईएएस बनने का लक्ष्य बताया। इस अवसर पर पूर्व प्रधान व भाजपा नेता कैलाश मेघवाल सहित कई जनप्रतिनिधियों ने बधाई दी, वहीं विधायक रामावतार बैरवा, पूर्व विधायक वेदप्रकाश सोलंकी, डॉ. रविंद्र नारोलिया और पार्षद सोनू-सीताराम मंडावरिया सहित अनेक लोगों ने उनकी उपलब्धि को सराहा।

शिक्षा से बदला गांव का भविष्य: नोबल गौरव यात्रा में प्रतिभाओं पर बरसीं स्कूटी-साइकिल, देवलावास बना प्रेरणा का केंद्र

भूरीवास से देवलावास तक शिक्षा जागरण की अलख, युवाओं को करियर व सामाजिक चेतना का मिला संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

नोबल शिक्षण संस्थान देवलावास की शिक्षा गौरव यात्रा रविवार को विभिन्न गांवों से गुजरते हुए भूरीवास गांव पहुंची, जहां ग्रामीणों ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को स्कूटी, साइकिल और घड़ी जैसे आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। यात्रा के संयोजक एवं इंजीनियर संदीप नेहरा (निदेशक, नोबल एजुकेशन ग्रुप) के नेतृत्व में निकाली जा रही इस यात्रा ने शिक्षा के प्रति जागरूकता का नया संदेश दिया। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन का सबसे प्रभावी साधन है। शाम करीब 5:30 बजे यात्रा देवलावास की ग्राम चौपाल में पहुंची, जहां भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच तुलाराम ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ नागरिक रामकुमार नेहरा उपस्थित रहे। इस दौरान 10 प्रतिभाओं को स्कूटी, साइकिल और टाइम वॉच पुरस्कार से अलंकृत किया गया।अपने प्रेरक संबोधन में इंजीनियर संदीप नेहरा ने बताया कि कभी उनका पैतृक गांव पिछड़ेपन और सामाजिक बुराइयों के लिए जाना जाता था, लेकिन आज वही गांव 'नोबल विलेज देवलावास' के नाम से पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के कारण आज गांव की प्रतिभाएं न केवल स्वयं आगे बढ़ रही हैं, बल्कि अपने परिवार और समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने नोबल संस्थान के संस्थापक शेर सिंह नेहरा की दूरदर्शी सोच की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों का ही परिणाम है कि आज गांव में शिक्षा का स्तर लगातार ऊंचा हो रहा है। संदीप नेहरा ने बताया कि वर्तमान में गांव से एक दर्जन से अधिक विद्यार्थी मेडिकल क्षेत्र में अध्ययनरत हैं और आने वाले समय में यह संख्या 25-30 तक पहुंचने की संभावना है। इस अवसर पर नोबल शिक्षण संस्थान की चेयरपर्सन संतोष नेहरा, निदेशक मानसिंह चौधरी, एकेडमिक डायरेक्टर सुमन नेहरा, मैनेजिंग डायरेक्टर शिवम नेहरा, प्रिंसिपल कृष्ण कुमार यादव, नोबल कॉलेज के प्रिंसिपल कुलदीप काजला, विद्यालय के शिक्षक स्टाफ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। यात्रा के प्रभारी कृष्ण कुमार यादव, कुलदीप, दिनेश कुमार एवं हंसराज यादव ने व्यवस्थाओं का संचालन किया। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट हरेश पंवार एवं विक्रम सिंह सहड़ ने संयुक्त रूप से किया। सम्मानित प्रतिभाओं में देवास गांव की कोमल पुत्री विकास कुमार (97') को स्कूटी प्रदान की गई। इसके अलावा प्रिया पुत्री अनिल कुमार (96.17'), जतिन नेहरा पुत्र असमान नेहरा (96'), आसमा बानो पुत्री अवैध अली खान (देवलावास), अंशु पुत्री सुरेंद्र सिंह (96.40'), शिवानी पुत्री अमरजीत (93.8'), निकिता पुत्री सुनील कुमार सहित कई विद्यार्थियों को साइकिल व अन्य पुरस्कार दिए गए। वहीं खुशबू गायक पुत्री विजय कायत (90.80'), आर्यन कुमार पुत्र अमित कुमार, अजय पुत्र रामपाल गुर्जर (बबेरा) सहित अन्य विद्यार्थियों को घड़ी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला शक्ति की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही, जिसने आयोजन को और अधिक जीवंत बना दिया। ग्रामीणों ने नोबल शिक्षण संस्थान की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान न केवल प्रतिभाओं को सम्मानित करता है, बल्कि पूरे समाज को शिक्षा के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रहा है।

निर्यात प्रोत्साहन व पश्चिम एशिया संकट पर गोयल की अहम बैठक 27 को

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 27 अप्रैल को दिल्ली के भारत मंडपम में निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) और उद्योग संघों के प्रतिनिधियों संग एक अहम बैठक करेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य देश के निर्यात को बढ़ावा देने के तरीकों पर विचार करना है, खासकर पश्चिमी एशिया में जारी भू-राजनीतिक संकट और शिपिंग चुनौतियों के मद्देनजर, जिसने भारतीय निर्यातकों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। यह बैठक भारत-न्यूजीलैंड एफटीए पर हस्ताक्षर के तुरंत बाद हो रही है, जिसके लिए न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले पहले से ही भारत में हैं। सोमवार की चर्चा में चमड़ा, दवा, वाहन, खेल के सामान और इंजीनियरिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। पश्चिमी एशिया में चल रहे संघर्ष ने भारतीय निर्यातकों के लिए कठिनाइयां बढ़ा दी हैं, क्योंकि शिपिंग कंपनियां प्रमुख गंतव्य वाले इस क्षेत्र में माल भेजने से कतरा रही हैं, जिससे भारतीय व्यापार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

अदाणी ग्रीन का बैटरी स्टोरेज में 15,000 करोड़ का मेगा निवेश

नई दिल्ली।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) चालू वित्त वर्ष में अपनी बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता को 10 गीगावाट-घंटा (जीडब्ल्यूएच) से अधिक बढ़ाने के लिए लगभग 15,000 करोड़ रुपये का भारी निवेश करने जा रही है। यह भारत में भरोसेमंद और वितरित स्वच्छ बिजली की ओर एक बड़ा बदलाव है। यह निवेश एजीईएल की मौजूदा लगभग 3 जीडब्ल्यूएच स्थापित क्षमता के अतिरिक्त होगा, जिसे कंपनी जल्द ही हासिल करेगी। इससे पहले वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 1.4 जीडब्ल्यूएच अक्षमता चालू की गई थी। ये बैटरियां गुजरात के खावड़ा में दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा पार्क के साथ विकसित की जा रही हैं। इनका प्राथमिक लक्ष्य शाम की चरम मांग के दौरान बिजली की विश्वसनीय आपूर्ति प्रदान करना है, जब सौर ऊर्जा उत्पादन कम होता है। कंपनी वित्त वर्ष 2026-27 तक 10 जीडब्ल्यूएच से अधिक क्षमता चालू करने की उम्मीद कर रही है।

भारत की अर्थव्यवस्था पर विशेषज्ञों ने दी मंदी की चेतावनी

मुंबई ।

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर कई गंभीर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, बढ़ती महंगाई और बाजार में कमजोर होती मांग का असर देश की विकास दर पर पड़ना शुरू हो गया है। खासतौर पर निर्यात क्षेत्र में गिरावट और विदेशी निवेश में कमी को लेकर जो चिंता आर्थिक विशेषज्ञ जाता रहे हैं। उसका बड़ा असर शेयर बाजार और बैंकिंग सेक्टर में भी पडना तय माना जा रहा है। शेयर बाजार की गिरावट का असर बैंकिंग सेक्टर पर होने से भारत की आर्थिक मुश्किलें बहुत तेजी के साथ बढ़ने वाली हैं। जो बाजार के लिए एक बड़ा खतरा बताया गया है। समय रहते भारत सरकार के वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक ने नीतिगत बदलाव के कदम नहीं उठाए गए, तो रोजगार और महंगाई को लेकर बड़ा असर पड़ना तय है। मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बेहद कमजोर हो सकती है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुस्ती और कृषि क्षेत्र की चुनौतियां जो निरंतर बढ़ रही हैं वह आर्थिक स्थिति को बुरी तरह से प्रभावित करने लगी हैं। सरकार वर्तमान स्थिति को छुपाने का प्रयास कर रही है। जिसके कारण आर्थिक स्थिति में भविष्य में विस्फोटक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। आर्थिक विशेषज्ञों ने सरकार को सलाह दी है। वह निवेश को बढ़ावा देने, महंगाई पर नियंत्रण रखने और वित्तीय प्रणाली को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए। कुल मिलाकर, सरकार भारत की अर्थव्यवस्था को स्थिर दिखा रही है। पिछले महीना में जिस तरह से केंद्रीय राजस्व में कमी देखने को मिल रही है। भारत को आयात में विदेशी मुद्रा ज्यादा खर्च करना पड़ रही है डॉलर के मुकाबले रुपए में लगातार गिरावट बढ़ रही है। इससे भविष्य की आर्थिक स्थिति को लेकर आर्थिक विशेषज्ञ चिंता जाता रहे हैं यदि यही स्थिति कुछ महीने और बनी रही तो राज्यों और केंद्र सरकार को खर्चों में कटौती करनी पड़ेगी पेंशन और वेतन का भुगतान करने के लिए भी कर्ज लेना पड़ेगा शेयर बाजार की गिरावट का असर बैंकिंग सेक्टर में जिस तरह से पड रहा है। उसने आर्थिक विशेषज्ञों की चिंता को और बढ़ा दिया है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण दो लाख करोड़ घटा

टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक नुकसान में रही

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह निराशाजनक रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट की सबसे बड़ी मार देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात पर पड़ी, जिनका संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक कम हो गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा, जबकि कुछ चुनिंदा कंपनियों ने इस दौरान बेहतर प्रदर्शन किया। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में आए तेज गिरावट के रुख के कारण निवेशकों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। आंकड़ों के अनुसार बाजार पूंजीकरण में सर्वाधिक कमी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में देखी गई, जिसका मूल्य 66,699.44 करोड़ रुपए घटकर 8,67,364.12 करोड़ रह गया। इसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 50,670.34 करोड़ रुपए कम होकर 17,96,647.50 करोड़ पर आ गया। एचडीएफसी बैंक को 23,090.05 करोड़ और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को 19,670.75 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। बाजार के विशेषज्ञों ने इस गिरावट का कारण भू-राजनीतिक तनाव और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों को बताया। उन्होंने कहा कि लगातार दो सप्ताह की तेजी के बाद बाजार में सुधार की अपेक्षा थी, लेकिन इन कारकों ने निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक प्रभाव डाला। हालांकि, इस नकारात्मक रुझान के बीच हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय स्टेट बैंक ने शानदार प्रदर्शन किया। एचयूएल का बाजार पूंजीकरण 20,652.91 करोड़ बढ़कर 5,47,219.80 करोड़ हो गया, जबकि एसबीआई का मूल्यांकन 19,522.76 करोड़ बढ़कर 10,16,752.53 करोड़ पर पहुंच गया।

इस सप्ताह की गिरावट के बावजूद, रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी शीर्ष 10 में शामिल हैं।

2030 तक फ्लिक्सबस का सबसे बड़ा बाजार बनेगा भारत कंपनी को उम्मीद

भारतीय बाजार में उतरी कंपनी गर्मियों में नेटवर्क का करेगी 30 फीसदी विस्तार

नई दिल्ली । वैश्विक यात्रा प्रौद्योगिकी कंपनी फ्लिक्सबस को उम्मीद है कि 2030 तक यात्री संख्या के मामले में भारत उसका सबसे बड़ा बाजार बन जाएगा। कंपनी के एक मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी ने भारतीय बाजार की विशाल क्षमता और लगातार बढ़ती मांग पर जोर दिया है। फ्लिक्सबस ने फरवरी में भारतीय बाजार में अंतरराज्यीय बस सेवाओं के साथ प्रवेश किया। अ धिकारी ने भारत को वैश्विक स्तर पर फ्लिक्सबस के लिए सबसे रणनीतिक वृद्धि बाजारों में से एक बताया। कंपनी दिल्ली-देहरादून गलियारे पर परिचालन बढ़ाने के साथ-साथ गर्मियों में अपने नेटवर्क में 30 प्रतिशत विस्तार का लक्ष्य लेकर चल रही है। उन्होंने बताया कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बस बाजार है और यहां वातानुकूलित इंटरसिटी खंड यूरोपीय और अमेरिकी बाजार के संयुक्त आकार से भी बड़ा है। वैश्विक स्तर पर करोड़ों यात्रियों को सेवा दे चुकी फ्लिक्सबस भारत में भी मजबूत और निरंतर मांग देख रही है, जो उसकी भविष्य की योजनाओं के लिए आशाजनक है।

कोल इंडिया की कोयला आयात में 24.3 करोड़ टन कटौती की योजना

- ऊर्जा सुरक्षा और विदेशी मुद्रा बचत मुख्य लक्ष्य

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने देश के कोयला आयात में भारी कटौती करने के लिए एक महत्वाकांक्षी 10-वर्षीय व्यापक योजना (2026-2036) का मसौदा तैयार किया है। इस योजना का लक्ष्य घरेलू उत्पादन बढ़ाने, गुणवत्ता सुधारने और लॉजिस्टिक्स लागतों को समानता प्रदान कर 24.3 करोड़ टन कोयला आयात में कटौती करना है, जिससे भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके। सूत्रों के अनुसार, सीआईएल की यह व्यापक योजना आयात के विस्तृत फोरेंसिक ऑडिट को शामिल करेगी। इसे क्षेत्र-विशिष्ट नीतियों और स्थानीय आपूर्ति को बढ़ावा देने वाली चरणबद्ध बदलाव रणनीतियों का समर्थन मिलेगा। योजना में कोयले की धुलाई और परिवहन को सुव्यवस्थित करने के लिए एक नेशनल वॉशरी एंड लॉजिस्टिक्स ग्रिड की स्थापना भी प्रस्तावित है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला की प्रमुख बाधाएं दूर होंगी। घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान देने वाली सीआईएल इस मसौदे को अंतिम रूप देने और गैर-शुल्क बाधाओं से संबंधित उपायों का सुझाव देने के लिए एक सलाहकार की नियुक्ति करने की भी योजना बना रही है। इसका अंतिम उद्देश्य घरेलू उत्पादन, गुणवत्ता संवर्धन और लॉजिस्टिक मूल्य समानता के माध्यम से सभी प्रतिस्थापन योग्य कोयला आयात को पूरी तरह रोकना है। यह घटनाक्रम देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, विदेशी मुद्रा की निकासी को कम करने और राष्ट्रीय कोयला गैसीकरण मिशन के तहत हरित संक्रमण लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता और फेड की बैठक से तय होगी भारतीय बाजार की दिशा

विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियों पर भी बाजार की नजर रहेगी

मुंबई ।

पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में देखी गई गिरावट के बाद आने वाला सप्ताह निवेशकों के लिए वैश्विक घटनाक्रमों और घरेलू कॉरपोरेट नतीजों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव, रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य का मुद्दा और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक दुनियाभर के बाजारों के साथ-साथ भारतीय शेयर बाजार की दिशा भी तय करेगी। बाजार में एक बार फिर वैश्विक कारकों का प्रभाव देखने को मिलेगा, जिससे निवेशकों को सतर्कता बरतने की सलाह दी जा रही है। पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट दर्ज होने के बाद अब निवेशकों की नजरें पूरी तरह से वैश्विक घटनाक्रमों पर केंद्रित हो गई हैं। भू-राजनीतिक तनाव और प्रमुख केंद्रीय बैंकों की नीतियों से जुड़े संकेत बाजार की आगामी चाल को निर्धारित करेंगे। निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चिंताओं में से एक अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में कोई ठोस प्रगति न होना है। इसके साथ ही, होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जारी गतिरोध पर भी बाजार पैनी नजर रख रहा है। यह जलडमरूमध्य वैश्विक कच्चे तेल व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका बंद रहना या वहां तनाव बढ़ना वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी अस्थिरता ला सकता है, जिसका सीधा असर भारत जैसे तेल आयातक देशों की अर्थव्यवस्था और कंपनियों पर पड़ेगा। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा सकती हैं और कॉर्पोरेट मार्जिन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। 28 और 29 अप्रैल को होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक का बाजार बेसब्री से इंतजार कर रहा है। हालांकि, पिछली लगातार दो बैठकों की तरह इस बार भी ब्याज दरों को 0-0.25 फीसदी की रेंज में स्थिर रखने की उम्मीद है, लेकिन फेड के चेयरमैन की टिप्पणियां और भविष्य की मौद्रिक नीति पर उनके संकेत निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होंगे। इससे यह अंदाजा लगेगा कि ब्याज दरें कब तक स्थिर रहेंगी या उनमें बदलाव की उम्मीद कब तक की जा सकती है, जिसका वैश्विक पूंजी प्रवाह पर सीधा असर पड़ेगा। घरेलू मोर्चे पर, चौथी तिमाही के परिणाम सीजन के जोर पकड़ने के साथ, निवेशकों की नजर कंपनियों के प्रदर्शन पर रहेगी। अच्छे नतीजे बाजार को समर्थन दे सकते हैं, जबकि निराशाजनक आंकड़े दबाव बढ़ा सकते हैं।

इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियों पर भी नजर रहेगी। पिछले सत्रों में मुनाफावसूली करने वाले विदेशी निवेशकों का रुख (बिकवाली या खरीदारी) अगले सप्ताह बाजार की दिशा को काफी हद तक प्रभावित करेगा। उनकी लगातार बिकवाली बाजार में अस्थिरता बढ़ा सकती है। तकनीकी रूप से निफ्टी के लिए 24,100-24,400 के दायरे में समेकन देखने को मिल सकता है। 24,000 के स्तर पर तत्काल समर्थन मौजूद है, जो बाजार को बड़ी गिरावट से बचा सकता है। वहीं 24,400 से ऊपर टिकने पर निफ्टी 24,800-25,000 के स्तर तक की तेजी दिखा सकता है, लेकिन इसके लिए सकारात्मक वैश्विक संकेतों और मजबूत घरेलू नतीजों की आवश्यकता होगी। कुल मिलाकर आने वाला सप्ताह सतर्कता भरा रहने की उम्मीद है, जहां वैश्विक कारक और कंपनियों के नतीजे बाजार की दिशा तय करेंगे।

रिलायंस ने भू-राजनीतिक अस्थिरता में भी परिचालन जारी रखा

चौथी तिमाही में कंपनी ने बदले आपूर्तिकर्ता और अनुबंध, खाड़ी संकट से निपटा

नई दिल्ली ।

भारत की सबसे बड़ी निजी रिफाइनरी, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के दौरान वैश्विक भू-राजनीतिक व्यवधानों और ऊर्जा बाजार की अस्थिरता के बीच कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम उठाए। कंपनी ने अस्थिर बाजार और ईरान युद्ध जैसे तनावों के बावजूद अपने परिचालन को सुचारू बनाए रखा। रिलायंस ने बताया कि अस्थिर ऊर्जा बाजार, भू-राजनीतिक व्यवधानों और लागत में भारी उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए उसने कच्चे तेल की सक्रिय सोर्सिंग और परिचालन बदलावों का सहारा लिया। ईरान युद्ध के कारण खाड़ी देशों से तेल और गैस प्रवाह बाधित होने पर, कंपनी ने आपूर्ति की भरपाई के लिए फारस की खाड़ी के अलावा दूसरे आपूर्तिकर्ताओं से संपर्क किया। रिफाइनरी परिचालन में कटौती से बचने के लिए, रिलायंस ने फारस की खाड़ी के लोडिंग अनुबंधों को बदला और कई भौगोलिक क्षेत्रों से कच्चे तेल की सोर्सिंग की। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने पश्चिम एशिया के आपूर्तिकर्ताओं के साथ मिलकर फंसे हुए कच्चे तेल के लिए वैकल्पिक मार्गों पर भी काम किया। वित्त वर्ष 2025-26 में वैश्विक कच्चा तेल बाजार काफी हद तक अधिशेष में रहा, लेकिन

रूसी तेल पर प्रतिबंधों और पश्चिम एशिया के संघर्ष ने आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और ऊर्जा बाजारों में अव्यवस्था पैदा की।

इन चुनौतियों के बावजूद, रिलायंस ने कच्चे माल की उपलब्धता सुरक्षित करके और परिचालन बनाए रखकर अपनी आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ किया। रिफाइनिंग क्षमता की कमी और अप्रत्याशित मांग वृद्धि से ईंधन के मुनाफे में उछाल आया, हालांकि रसायनों पर अत्यधिक आपूर्ति का दबाव बना रहा।

1 मई से बदल सकते हैं नियम, 25 दिन बाद ही मिलेगा दूसरा एलपीजी

हॉरमुज स्ट्रेट तनाव के बीच देश की तेल कंपनियां एलपीजी उपलब्धता को लेकर अलर्ट

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और हॉरमुज स्ट्रेट में एलपीजी सप्लाई बाधित होने की आशंका के मद्देनजर भारत रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कमर कस रहा है। इसी तैयारी के तहत इंडेन, भारत गैस और एचपी गैस जैसी प्रमुख तेल कंपनियां 1 मई 2026 से सिलेंडर बुकिंग नियमों में अहम बदलाव करने जा रही हैं। नए नियमों के तहत उपभोक्ता एक सिलेंडर बुक करने के बाद दूसरे की बुकिंग के लिए कम से कम 25 दिनों का इंतजार करेंगे। यह उन परिवारों को प्रभावित करेगा जो महीने में एक से अधिक सिलेंडर लेते हैं। साथ ही अब ओटीपी आधारित डिलीवरी सिस्टम भी लागू होगा। रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर भेजा गया ओटीपी बताए बिना सिलेंडर नहीं मिलेगा, जिससे फर्जी डिलीवरी रुकेगी। भारत को प्रतिदिन 80,000 टन एलपीजी की जरूरत होती है, जबकि घरेलू उत्पादन 46,000 टन है। शेष आवश्यकता आयात से पूरी होती है। पहले 90 फीसदी एलपीजी खाड़ी देशों से आती थी, लेकिन अब सरकार ने अमेरिका, नॉर्वे, कनाडा, अल्जीरिया और रूस जैसे देशों से भी खरीद शुरू कर आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाई है। युद्ध संकट को देखते हुए भारत ने स्पॉट मार्केट से लाखों टन एलपीजी खरीदी है, ताकि आपूर्ति में कमी न हो।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का मुनाफा बढ़कर 300 करोड़ के पार

बैंक की ब्याज आय में 15.7 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई

मुंबई ।

प्राइवेट सेक्टर के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं, जिसमें बैंक ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। इस तिमाही में बैंक का मुनाफा 4.9 फीसदी बढ़कर 319 करोड़ हो गया। बैंक ने यह भी बताया कि कुछ विशिष्ट (एकमुश्त) घटनाओं को छोड़कर, उसकी वास्तविक या सामान्यीकृत शुद्ध आय 746 करोड़ के करीब रही, जो बैंक की मजबूत अंतर्निहित वित्तीय स्थिति को दर्शाती है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के लिए चौथी तिमाही का मुख्य आकर्षण उसकी मजबूत परिचालन आय और बेहतर संपत्ति गुणवत्ता रही। बैंक की शुद्ध ब्याज आय में 15.7 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो 4,907 करोड़ रुपए से बढ़कर 5,677 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। यह दर्शाता है कि बैंक ने कर्ज देने और उससे ब्याज कमाने में शानदार प्रदर्शन किया है। हालांकि, नेट इंटरेस्ट मार्जिन मामूली गिरावट के साथ 5.95 फीसदी से 5.93 फीसदी रहा, जिसे लगभग स्थिर माना जा सकता है। बैंक की संपत्ति गुणवत्ता में भी सराहनीय सुधार हुआ है। सकल गैर-निष्पादित आस्तियां 1.69 फीसदी से घटकर 1.61 फीसदी रह गईं, जबकि शुद्ध गैर-निष्पादित आस्तियां 0.53 फीसदी से कम होकर 0.48 फीसदी पर आ गईं। फंसे कर्ज में कमी और भविष्य के घाटे के लिए किए जाने वाले प्रावधान में भारी कटौती ने भी बैंक के मुनाफे को सीधे तौर पर प्रभावित किया है। इसके

अतिरिक्त, बैंक को 130 करोड़ का टैक्स रिफंड भी मिला, जिसने बैंक की बैलेंस शीट को और मजबूती प्रदान की। यह तिमाही बैंक के लिए व्यापक तौर पर सकारात्मक संकेत लेकर आई है।

सीओएआई ने सरकार से स्पेक्ट्रम कीमतें घटाने की अपील की

ऑपरेटरों ने 5जी में भारी पूंजी लगाई लेकिन अभी तक कोई आय नहीं

नई दिल्ली ।

अगली स्पेक्ट्रम नीलामी से पहले दूरसंचार उद्योग निकाय सीओएआई ने केंद्र सरकार से स्पेक्ट्रम की बोली कीमतों में कटौती करने का अनुरोध किया है। उद्योग का तर्क है कि 5जी नेटवर्क में किए गए भारी निवेश पर अभी तक कोई प्रतिफल (आरओआई) नहीं मिला है, जिससे वर्तमान मूल्य स्तर पर आगे निवेश करना कठिन है। सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) के एक प्रमुख अ धिकारी ने हाल ही में आयोजित सीओएआई डिजीकॉम शिखर सम्मेलन के मौके पर यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि उद्योग को उम्मीद है कि सरकार 5जी में परिचालकों द्वारा किए गए विशाल निवेश पर गंभीरता से विचार करेगी, जिस पर अभी तक कोई वापसी नहीं हुई है। उन्होंने जोर दिया, मुझे उम्मीद है कि स्पेक्ट्रम की कीमतें कम होंगी क्योंकि 5जी में बिना किसी आरओआई के बहुत अधिक पूंजी लगाई गई है। जब तक हमें प्रतिफल मिलना शुरू नहीं होता, तब तक बहुत महंगे स्पेक्ट्रम में निवेश को व्यवसाय की दृष्टि से लागत प्रभावी मानना कठिन होगा। उन्होंने यह भी बताया कि स्पेक्ट्रम केवल नीलामी से खरीदने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे उपयोग के योग्य बनाने के लिए बड़े निवेश की आवश्यकता होती है। इस पृष्ठभूमि में भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने फरवरी में 600 मेगाहर्ट्ज से 26 गीगाहर्ट्ज तक विभिन्न बैंडों में उपलब्ध पूरे 11,790 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम को नीलामी के लिए रखने की सिफारिश की थी। सरकार 600 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम की नीलामी पर विशेष रूप से विचार कर रही है, जो इमारतों के भीतर मोबाइल नेटवर्क कवरेज को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

भारत की चीन व्यापार रणनीति-निर्यात बढ़ाओ आयात घटाओ; घरेलू क्षमता पर जोर

बीजिंग से पूरी तरह संबंध विच्छेद कठिन, क्योंकि चीनी कच्चे माल देश के औद्योगिक विकास की रीढ़ हैं

नई दिल्ली ।

एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार भारत चीन के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को एक बहुआयामी रणनीति के तहत नया आयाम दे रहा है।

इसका लक्ष्य घरेलू क्षमताओं को मजबूत कर चीन को निर्यात बढ़ाना और साथ ही आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाकर बीजिंग पर आयात निर्भरता कम करना है।

यह रणनीति चीन से पूरी तरह से संबंध विच्छेद किए बिना लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने और निर्यात क्षमता बढ़ाने पर केंद्रित है।

अधिकारी ने स्पष्ट किया कि बीजिंग से पूरी तरह संबंध विच्छेद करना कठिन है, क्योंकि चीनी कच्चे माल देश के औद्योगिक विकास की रीढ़ हैं। भारत मुख्य रूप से ऑटो घटक, इलेक्ट्रॉनिक हिस्से, मोबाइल फोन के पुर्जे, मशीनरी और सक्रिय दवा सामग्री जैसे कच्चे माल, मध्यवर्ती और पूंजीगत वस्तुओं का आयात करता है, जो घरेलू विनिर्माण और निर्यात के लिए महत्वपूर्ण हैं। वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, भारत का चीन को निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में 14.25 अरब डॉलर से बढ़कर 2025-26 में 19.47 अरब डॉलर हो गया है, जो लगभग 37 प्रतिशत की संतोषजनक वृद्धि दर्शाता है। हालांकि, इसी अवधि में बीजिंग से आयात 113.44 अरब डॉलर से बढ़कर 131.63 अरब डॉलर हो गया, जिसके परिणामस्वरूप व्यापार घाटा 99.2 अरब डॉलर से बढ़कर 112.6 अरब डॉलर हो गया है।

निर्यात में मुद्रित सर्किट बोर्ड, बिजली के उपकरण और झींगा जैसी वस्तुओं का योगदान रहा है, लेकिन अधिकारी ने इसे और व्यापक बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। चीन से आने वाले आयात में इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, फार्मास्युटिकल सामग्री, वाहन घटक और औद्योगिक मशीनरी प्रमुख हैं। अधिकारी ने बताया कि ये सभी वस्तुएं भारत की औद्योगिक प्रक्रियाओं का हिस्सा हैं और जैसे-जैसे देश का औद्योगीकरण बढ़ रहा है, ऐसे आयातों में स्वाभाविक वृद्धि देखी जा रही है।

की रणनीति घरेलू क्षमताओं को सुदृढ़ कर इन आयातों पर निर्भरता कम करने और अपने आपूर्तिकर्ता आधार को विविधतापूर्ण बनाने पर केंद्रित है, ताकि व्यापार संतुलन को बेहतर बनाया जा सके।

बैंक ऑफ इंग्लैंड की चेतावनी वेश्विक शेयर बाजार में भारी गिरावट की चेतावनी

लंदन ।

बैंकिंग और वित्तीय विश्लेषण से जुड़े आर्थिक विशेषज्ञों की रिपोर्ट मे यह चेतावनी दी गई है। शेयर बाजार में तेज गिरावट (मार्केट क्रेश) की आशंका बढ़ती जा रही है। विशेष रूप से बैंकिंग सेक्टर, जिसमें बैंक ऑफ इंग्लैंड और दुनिया भर के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भी शामिल हैं, बढ़ती वैश्विक और घरेलू आर्थिक अनिश्चितताओं से शेयर मार्केट और बैंकिंग सेक्टर बड़े रूप में प्रभावित हो सकते हैं।

विश्लेषण में बताया गया है, बढ़ती महंगाई, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और पश्चिम एशिया में तनाव जैसी परिस्थितियां निवेशकों के भरोसे को कमजोर कर रही हैं। बैंक ऑफ़ इंग्लैंड की अध्यक्ष ने शेयर बाजार क्रैश होने की आशंका व्यक्त की है। निवेशक लगातार शेयर मार्केट से पैसा निकाल रहे हैं। जिससे बाजार पर दबाव बढ़ रहा है। इसके अलावा, बाजार में पहले से ऊंचे वैल्यूएशन को भी जोखिम भरा माना जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से संकेत मिलना शुरू हो गए हैं।

मौजूदा स्तर टिकाऊ नहीं हैं, आने वाले समय में बाजार में करेक्शन संभव है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वैश्विक संकट गहराता है या ब्याज

दरें ऊंची बनी रहती हैं। ऐसी स्थिति में बैंकिंग और मिडकैप शेयरों में भारी गिरावट देखी जा सकती है।

आर्थिक विशेषज्ञों ने निवेशकों को सतर्क रहने, दीर्घकालिक रणनीति अपनाने और जोखिम प्रबंधन पर ध्यान देने की सलाह दी है। बैंक ऑफ़ इंग्लैंड अध्यक्ष की चेतावनी के बाद एक विशेष किस्म की घबराहट सारी दुनिया में देखी जा रही है।

महापुरुषों के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प, प्रतिभाओं का सम्मान और शिक्षा सहयोग की अनूठी पहल

उमराबाद में विचारों की गूंज: फुले-अंबेडकर जयंती पर उमड़ा जनसैलाब, शिक्षा और सामाजिक चेतना का बना महाकुंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नारनौल।

नारनौल के निकट गांव बास किरारोद उमराबाद में रविवार को महात्मा ज्योतिबा फुले एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर की संयुक्त जयंती अत्यंत भव्य और गरिमामय वातावरण में मनाई गई। डॉ. अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेते हुए महापुरुषों की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व चीफ मैनेजर बैंक एवं अनुसूचित जाति जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ के पूर्व अध्यक्ष जयनारायण दुग्गल रहें। अध्यक्षता एडवोकेट भीम सिंह दहिया ने की। विशिष्ट अतिथियों में कबीर सामाजिक उत्थान संस्थान, दिल्ली के वाइस चेयरमैन एवं अनुसूचित जाति अत्याचार निवारण समिति के महासचिव बिरदीचंद गोठवाल, मुख्य वक्ता एडवोकेट हरेश पंवार, एलआईसी के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी रामानंद पनवाल, पूर्व डीएम महेंद्र खन्ना, साहित्यकार भूप सिंह, समाजसेवी केला देवी, बिरमा देवी गोठवाल, डॉ. जितेंद्र पाल, डॉ. सुशील कुमार शिलू, मदनलाल डाडैया, सत्यवीर सिंह, केला देवी पपुरना, मां से जगदीश भगवती कला, समिति प्रधान सुमेश सैनी, कार्यक्रम संयोजक चौधरी फूल सिंह महायच एवं कृष्ण महायच शामिल रहें। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट हरेश पंवार ने किया, जबकि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां हवा सिंह बौद्ध की टीम द्वारा दी गईं। प्रारंभ में बी.सी. गोठवाल ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन दर्शन एवं महात्मा ज्योतिबा फुले के सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि जयनारायण दुग्गल ने कहा कि समाज का वास्तविक उत्थान शिक्षा और सकारात्मक सोच से ही संभव है। उन्होंने बाबा साहब के 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' के सिद्धांत को अपनाने का आह्वान किया। अध्यक्षीय संबोधन में एडवोकेट भीम सिंह दहिया ने शिक्षा को सामाजिक स्वाभिमान और न्याय के संघर्ष का आधार बताते हुए समाज को एकजुट होकर अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करे और शिक्षा की रोशनी अंतिम पायदान तक पहुंचाने का दायित्व निभाए। उन्होंने यह भी कहा कि आरक्षण से लाभान्वित वर्ग को समाज के कमजोर वर्गों को आगे बढ़ाने में योगदान देना चाहिए। वहीं डॉ. जितेंद्र पाल ने वर्तमान समय में बाबा साहब की शिक्षाओं को अपनाने की जरूरत पर बल दिया। कार्यक्रम में सावित्रीबाई फुले, रामाबाई अंबेडकर एवं कबीर दास के जीवन पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।विद्यार्थियों के लिए आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कक्षा 1 से 5, 6 से 10 एवं प्रतियोगी स्तर के छात्रों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर पुरस्कृत किया गया तथा सीईटी स्तर के सफल विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पत्रकार मनोज बुलाना, सुरेंद्र सिंह, राहुल बौद्ध, कृष्ण कुमार, डॉ जितेंद्र, रतिराम, संतलाल, सरजीत, ओमप्रकाश, जसवंत सिंह, रामपत, अशोक दास, सतीश तंवर, जगदीश गोठवाल, कृष्ण तोबड़ा, वीरेंद्र सैनी, समिति उपप्रधान यशपाल चौहान, सचिव मैनपाल महायच, कोषाध्यक्ष संजय इंदौरा, महेंद्र डेलीगेट, नरेंद्र उर्फ चंदू इंदौरा, अरुण इंदौरा, देवेंद्र महेश, आतिश इंदौरा, सुशील इंदौरा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहें। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया तथा सामूहिक भोजन के साथ आयोजन का समापन हुआ।

चौधरी फूल सिंह महायच: गांव से उठी शिक्षा सेवा की मिसाल

कार्यक्रम के संयोजक एवं पूर्व बैंक मैनेजर चौधरी फूल सिंह महायच ने समाज सेवा की अनूठी मिसाल पेश की है। वे अपने पैतृक गांव में निजी संसाधनों से विद्यालय संचालित कर बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने एक होनहार छात्र की उच्च शिक्षा के लिए हर छह माह में ?51,000 का वजीफा देने की घोषणा की। साथ ही 'भीम प्रज्ञा सेंट्रल लाइब्रेरी' मिशन के तहत एक विद्यार्थी की निःशुल्क शिक्षा का जिम्मा भी लिया।ग्रामीणों ने उनके इस योगदान को सराहते हुए कहा कि ऐसे व्यक्तित्व समाज में शिक्षा और जागरूकता की नई रोशनी फैलाने का कार्य कर रहे हैं।

पिलानी ब्लॉक में कम्प्यूटर अनुदेशक संगठन की बैठक सम्पन्न, नई कार्यकारिणी का गठन

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

ब्लॉक पिलानी में कार्यरत कम्प्यूटर अनुदेशकों की बैठक शनिवार को आयोजित की गई, जिसमें संगठन को मजबूत बनाने और कार्य क्षेत्र में आ रही समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता अजीत सिंह शेखावत एवं विनय चौधरी ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य अनुदेशकों के हितों की रक्षा करते हुए संगठन को सशक्त बनाना रहा। इस दौरान सभी सदस्यों ने अपने-अपने अनुभव साझा किए और विभिन्न समस्याओं पर विचार-विमर्श किया। बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। ब्लॉक अध्यक्ष पद पर अजीत सिंह शेखावत को नियुक्त किया गया। ब्लॉक उपाध्यक्ष के रूप में सुकेन्द्र तथा महिला उपाध्यक्ष के रूप में दीपिका सैनी को जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा सुरेंद्र कुमार को भी उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी रौनक शर्मा को सौंपी गई, जबकि ब्लॉक मीडिया प्रभारी का पद फिलहाल रिक्त रखा गया है, जिसकी घोषणा शीघ्र की जाएगी। बैठक के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष अजीत सिंह शेखावत ने संगठन की आवश्यकता और एकता की ताकत पर जोर देते हुए सभी अनुदेशकों से संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एकजुट होकर ही समस्याओं का प्रभावी समाधान संभव है।

समस्याओं के समाधान व संगठन मजबूती पर हुआ मंथन

उपाध्यक्ष सुकेन्द्र ने संगठन के विस्तार पर जोर देते हुए कहा कि आगामी दिनों में सूरजगढ़ और चिड़ावा ब्लॉक में आयोजित बैठकों में सक्रिय भागीदारी निभाई जाएगी, ताकि अनुदेशकों की समस्याओं को व्यापक स्तर पर उठाया जा सके। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि संगठन की मजबूती के लिए नियमित बैठकों का आयोजन किया जाएगा और सभी अनुदेशक सामूहिक रूप से अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करेंगे। बैठक का समापन संगठन की एकता और भविष्य की रणनीति पर सहमति के साथ हुआ।

पोद्दार कॉलेज के छात्र शाहिद चौहान का हैदराबाद की कंपनी में चयन, नगरवासियों ने किया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद आमीन कारी के पुत्र शाहिद चौहान का पोद्दार कॉलेज में बीबीए अध्ययन के दौरान ही हैदराबाद स्थित अध्यापन एजुकेट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में चयन होने पर नगर में खुशी का माहौल है। इस उपलब्धि पर आज शाहिद चौहान के निवास पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जहां निवर्तमान पालिका अध्यक्ष नरेश सोनी, पालिका उपाध्यक्ष नवाब खत्री, पार्षद मुबारिक काजी, सब्बीर शेख, यूनुस मोम, पीताम्बर मिश्रा, कुतुबुदीन शेख, सतार इब्राहिम, कमल शर्मा, जगन कुमावत, अख्तर खत्री, उम्मेद, हाजी बाबू इब्राहिम, बिलाल तंवर, फारुख मास्टर, हाजी फारुख भाटी, विमल मिश्रा, इकबाल धौलिया, उस्मान खान, कमालुद्दीन सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने माल्यार्पण कर शाहिद चौहान का स्वागत किया तथा उन्हें बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मोहम्मद आमीन कारी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सफलता सभी के आशीर्वाद और दुआओं का परिणाम है तथा आगे भी इसी प्रकार सभी का सहयोग और स्नेह परिवार को मिलता रहेगा।

थोई में लगेगी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा, निर्माण कार्य का शिलान्यास

भीम प्रज्ञा न्यूज.सीकर।

जिले की थोई ग्राम पंचायत में रूपपुरा रोड स्थित अंबेडकर कॉलोनी में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा स्थापित किए जाने के लिए रविवार को निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया गया। यह कार्य डॉ. अम्बेडकर युवक संस्था थोई के तत्वावधान में कराया जा रहा है। संस्था के प्रवक्ता मनोज वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि शिलान्यास कार्यक्रम बुद्ध विहार जय पहाड़ी, झुंझुनूं से पधारे श्रद्धेय भंते विनयपाल जी के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। कार्यक्रम में खंडेला निवासी जेपी दायमा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। निर्माण योजना के तहत प्रतिमा के लिए एक सुदृढ़ चबूतरा बनाया जाएगा, जिसके चारों कोनों पर मजबूत पिलर तैयार किए जाएंगे। चबूतरे के मध्य सम्मानजनक ऊंचाई पर बाबा साहेब की आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाएगी। साथ ही चारों खंभों को जोड़ते हुए आरसीसी की छत डाली जाएगी, जिससे प्रतिमा स्थल सुरक्षित और आकर्षक बने।संस्था द्वारा स्टेच्यू स्थल को भव्य और सौंदर्यपूर्ण रूप देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान संस्था के संरक्षक मंडल, पूर्व व वर्तमान कार्यकारिणी के सदस्य तथा बड़ी संख्या में कॉलोनी के लोग उपस्थित रहें। थोई में बाबा साहेब की प्रतिमा स्थापना सामाजिक जागरूकता और समानता के संदेश को सुदृढ़ करेगी तथा युवाओं को उनके विचारों से प्रेरित करने का कार्य करेगी।

लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद द्वारा आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 105 रोगी हुए लाभान्वित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद द्वारा हर माह के अंतिम रविवार को आयोजित किया जाने वाला निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, चिकित्सा एवं परामर्श सेवा शिविर रविवार को परिषद के सेवा मंदिर भवन में लगाया गया जिसमें 105 रोगी लाभान्वित हुए। परिषद के स्थानीय अध्यक्ष विष्णु भूत ने बताया कि सुबह 10:30 से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित इस शिविर के लिए पंजीयन का कार्य सुबह 9 बजे ही प्रारंभ कर दिया गया था। इस अवसर पर सीकर स्थित टीबड़ा आई हॉस्पिटल एवं रेटिना सेंटर के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 74 रोगियों का नेत्र परीक्षण कर आपरेशन योग्य 17 रोगी चिह्नित किये गये जिनका आपरेशन सीकर में मंगलवार को परिषद के खर्च पर कराया जाएगा।परिषद सचिव निशान्त गोयनका ने बताया कि शिविर में आयुर्वेद चिकित्सक वैध पूजा खुशवाहा की सेवाएं भी उपलब्ध रहीं। चिकित्सकों के परामर्श अनुसार सभी रोगियों को सात दिन की निःशुल्क दवा भी उपलब्ध करवाई गई। इसके अतिरिक्त शिविर में रक्तचाप (बीपी) एवं मधुमेह (शुगर) की भी निःशुल्क जांच की गई । उन्होंने बताया कि इस सेवा ल अभियान के अन्तर्गत अब तक लगभग 100 नेत्र रोगियों को ऑपरेशन के माध्यम से नेत्र ज्योति दी गई है तथा करीब 800 व्यक्तियों ने स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श सेवा का लाभ उठाया है। हर माह के अंतिम रविवार को आयोजित होने वाला यह शिविर अगले माह 31 मई को सेवा मन्दिर भवन में लगाया जायेगा।शिविर में परिषद के युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनील बुबना के नेतृत्व में सौरभ झाँकल व हितेश शर्मा ने रोगियों का पंजीयन करने, मरीजों को सम्बन्धित कक्ष तक पंहुचाने, दवा वितरण आदि विभिन्न सेवाओं के व्यवस्थित संचालन में अपनी सेवाएं दी। परिषद के संदीप बजाज, आशीष पाराशर, विकास सैनी, पवन शर्मा, आनंद चूड़ीवाला, नरेश सैनी, बाबूलाल बिजारणिया, श्यामसुन्दर चमड़िया व पिन्टू यादव ने भी शिविर संचालन में सहयोग किया।

भामाशाह रमाकांत मिटावा ने किया छात्रावास का अवलोकन, एक कक्ष निर्माण की घोषणा

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

क्षेत्र में सामाजिक सहयोग और शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय पहल करते हुए युवा भामाशाह समाजसेवी व्यवसायी रमाकांत मिटावा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने रविवार को महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मणगढ़ का अवलोकन किया। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास मार्ग स्थित निर्माणाधीन छात्रावास पहुंचकर प्रतिनिधि मंडल ने व्यवस्थाओं और निर्माण कार्य की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने छात्रावास में विद्यार्थियों के रहने, भोजन और लाइब्रेरी जैसी सुविधाओं का निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी जरूरतों और अनुभवों के बारे में जानकारी प्राप्त की।छात्रावास निर्माण समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी और संयोजक सज्जन कुमार सैनी ने बताया कि प्रतिनिधि मंडल ने व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताया और छात्रावास की गतिविधियों की सराहना की। छात्रावास के महामंत्री महेंद्र कुमार माली एवं प्रवक्ता मनोज कुमार राकसिया के अनुसार, इस अवसर पर प्रभावित होकर रमाकांत मिटावा ने छात्रावास में एक कमरे का निर्माण करवाने की घोषणा की।प्रतिनिधि मंडल में अनिल कुमार मिटावा (करीमगंज, असम), पवन कुमार मिटावा (सिलचर, असम) और सुभाष भाटी (लक्ष्मणगढ़) भी शामिल रहे।इस दौरान छात्रावास निर्माण समिति की ओर से कोषाध्यक्ष झाबरमल माली के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल का स्वागत किया गया। अतिथियों को मोतियों की माला पहनाकर, छात्रावास का दुपट्टा ओढ़ाकर तथा प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नथमल, मंत्री मनोज कुमार, राकेश कुमार गौड़ सहित अन्य पदाधिकारी, सदस्य और छात्र उपस्थित रहे। इस पहल से न केवल छात्रावास निर्माण कार्य को गति मिलेगी, बल्कि क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने में भी सहयोग मिलेगा।

झुंझुनूं बीड़ में परिंडा अभियान शुरू, पक्षियों के लिए लगाए जल पात्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राष्ट्रीय जाट महासंघ द्वारा झुंझुनूं बीड़ क्षेत्र में पक्षियों के संरक्षण के लिए परिंडा अभियान की शुरुआत की गई। जिला सचिव उमेद झाझड़िया के नेतृत्व में लव कुश वाटिका बीड़ स्थित खेतानाथ बावड़ी पर प्रकृति प्रेमियों ने पक्षियों के लिए परिंडे बांधकर उन्हें पानी उपलब्ध कराने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला अनुसंधान अधिकारी रामावतार मरोड़िया, राकेश मांजू, भरत सिंह, दिनेश, सत्यवीर, बलबीर, ओमप्रकाश, बीरबल, गिरधारीलाल, राजेश, रामसिंह और डॉक्टर बल्लू सहित कई लोग मौजूद रहें। सभी ने गर्मी के मौसम में नियमित रूप से परिंडों में पानी भरने और पक्षियों की सेवा करने का संकल्प लिया।

भूकर फार्म हाउस पर आईपीएल सट्टेबाजी का भंडाफोड़, 4 आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

अवैध सट्टेबाजी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चिड़ावा बाईपास स्थित भूकर फार्म हाउस पर छापा मारकर आईपीएल मैचों पर चल रही सट्टेबाजी का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन तथा वृताधिकारी विकास धींधवाल के सुपरविजन में की गई। थाना चिड़ावा प्रभारी अम्बिका चौधरी के नेतृत्व में 25 अप्रैल 2026 को पुलिस थाना चिड़ावा और डीएसटी झुंझुनूं की संयुक्त टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने मौके से रोहित, कृष्णगोपाल शर्मा, विकास शर्मा और राजेश कटारिया को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 2 लैपटॉप, 2 टैबलेट, 11 मोबाइल फोन, 2 माइक्रो स्पीकर और सट्टेबाजी से जुड़े लाखों रुपए के हिसाब-किताब के दस्तावेज बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी आईपीएल मैचों पर ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे थे। विशेष रूप से राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेले जा रहे मैच पर सट्टा लगाया जा रहा था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश शुरू कर दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि सट्टेबाजी का यह नेटवर्क कितने समय से सक्रिय था और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं।

रमेश ठेकेदार ने समर्थकों के साथ मनाया पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम का 58वां जन्म दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

कांग्रेस कमेटी एससी डिपार्टमेंट के जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार ने वरिष्ठ नेता और दिल्ली सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र पाल गौतम का 58वां जन्म दिवस 26 अप्रैल रविवार को समर्थकों के साथ केक काटकर मनाया ।सन1968 को दिल्ली में जन्मे राजेंद्र पाल गौतम वर्तमान में कांग्रेस के अनुसूचित जाति (एससी) विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में देश भर में दलित समाज की आवाज बुलंद कर रहे हैं। इस मौके पर ठेकेदार रमेश ने कहा कि राजेंद्र पाल गौतम पेशे से एक वकील हैं और लंबे समय तक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में काम किया। उन्होंने डॉ. अंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए 'मिशन जय भीम' जैसे संगठनों के माध्यम से हाशिए पर खड़े समाज के लिए काम किया। 2015 में वे पहली बार दिल्ली की सीमापुरी विधानसभा सीट से विधायक चुने गए और केजरीवाल सरकार में समाज कल्याण, एससी/एस टी और जल विभाग जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने आम आदमी पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने के बाद, उन्हें पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी और एससी विभाग का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस अवसर पर अनिल फांडन प्रदेश उपाध्यक्ष एससी डिपार्मेंट, सेवा स्तंभ के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष भगत सिंह सांभरिया,सूबेदार मेजर सत्यनारायण आवाज़ फाउंडेशन,मामराज जिला उपाध्यक्ष,सत्यनारायण निखरी सचिव,धर्मवीर सिंह जिला उपाध्यक्ष,राजेंद्र सिंह , मिथलेश, नवनीत, सुदेश,अर्जुन, गौरीशंकर, हरिदास, इंदरजीत सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहें।

मांगूसिंह हत्याकांड में राजपूत सभा की हुंकार, बालाहेड़ी थाने पर सैकड़ों की मौजूदगी में सौंपा ज्ञापन

हत्यारों की गिरफ्तारी व परिवार को न्याय दिलाने तक नही थमेगा समाज का आक्रोश-वैध दशरथसिंह।

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । 'जब दर्द हद से गुजरता है, तो खामोशी भी बगावत बन जाती है '– ग्राम खौंचपुरी के मांगूसिंह की मौत के बाद यही बगावत अब जनआक्रोश में तब्दील होती दिख रही है। महवा तहसील के बालाहेड़ी थाना परिसर उस समय आक्रोश और न्याय की मांग से गूंज उठा, जब सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में राजपूत सभा के बैनर तले मृतक के परिजनों को न्याय दिलाने के लिए जोरदार तरीके से ज्ञापन सौंपा गया। हालात की गंभीरता और भीड़ के बढ़ते दबाव को देखते हुए तहसीलदार पृथ्वीराज मीना स्वयं मौके पर पहुंचे और वहीं पर ज्ञापन लिया। घटना की जड़ में 15 मार्च 2026 का वह दिन है, जब कुछ आरोपियों ने मांगूसिंह राजपूत के साथ बेरहमी से मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। करीब एक महीने तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करने के बाद 25 अप्रैल को जयपुर के एसियन हॉस्पिटल में उसकी मौत हो गई। इस घटना ने न केवल एक परिवार का सहारा छीन लिया, बल्कि पूरे क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर चिंता की लकीरें खींच दी। पीड़ित परिवार की हालत इतनी दयनीय है कि अब वह आर्थिक तंगी और आरोपियों के भय के दोहरे दबाव में जीने को मजबूर है। राजपूत सभा के महवा विधानसभा अध्यक्ष वैध दशरथ सिंह केसरी के नेतृत्व में सौंपे गए ज़ापन में स्पष्ट चेतावनी भरे स्वर में मांग उठाई गई कि पुलिस थाना बालाहेड़ी में दर्ज एफआईआर संख्या 23/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो और पांच दिन के भीतर शेष अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जाए। साथ ही परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने, एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने और 50 लाख रुपए की क्षतिपूर्ति राशि दिलाने की भी पुरजोर मांग रखी गई। अध्यक्ष वैध दशरथ सिंह केसरी ने दो टूक कहा कि 'यह सिर्फ एक परिवार का नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था की साख का सवाल है, जब तक मांगूसिंह के सभी हत्यारे सलाखों के पीछे नहीं पहुंचते और उन्हें सजा नहीं मिलती, तब तक यह आंदोलन थमने वाला नहीं है।' उनके शब्दों में साफ चेतावनी झलकती रही कि समाज अब अन्याय के खिलाफ चुप बैठने वाला नहीं है। तहसीलदार पृथ्वीराज मीना ने ज़ापन में दर्ज मांगों पर त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिलाया, वहीं समाज के पदाधिकारियो द्वारा फोन पर क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र मीना से वार्ता के दौरान उन्होंने भी समाज के प्रतिनिधियों से उक्त मामले को लेकर प्रशासनिक स्तर पर हरसंभव मदद का आश्वासन देते हुए मृतक के परिवार के एक सदस्य को संविदा पर नौकरी दिलाने और एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। वहीं इससे पूर्व भी शनिवार को सुबह दौसा जिले की पांचों विधानसभा क्षेत्रों के राजपूत सभा पदाधिकारी एकजुट होकर जयपुर के भगवानदास रोड स्थित सभा भवन पहुंचे और प्रदेशाध्यक्ष रामसिंह चंदलाई को पूरे इस पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। उन्होंने भी स्पष्ट शब्दों में कहा कि 'अन्याय के खिलाफ यह लड़ाई अंत तक लड़ी जाएगी' और महवा क्षेत्र के अध्यक्ष वैध दशरथ सिंह केसरी को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।ज़ापन सौंपने के दौरान राजकुमार सिंह पीपलखेड़ा, विजयबहादुर सिंह रामगढ़, सरजीत सिंह खेडली, नारायण सिंह, विष्णु सिंह एडवोकेट रौत, सचिन सिंह खौंचपुरी, प्रताप सिंह खौंचपुरी, हरिशंकर सिंह एडवोकेट केसरा, पवन सिंह, बनैसिंह, धर्मेंद्र सिंह और प्रयाग सिंह सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहें।

फतेहाबाद पुलिस का ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत सराहनीय कार्य

नशा पीड़ितों को उपचार व पुनर्वास से जोड़ने की पहल

विभिन्न गांवों में काउंसलिंग, उपचार व शिक्षा के प्रति जागरूकता अभियान चलाकर कई पीड़ितों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत जिला में नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी कड़ी में फतेहाबाद पुलिस की नशा मुक्ति टीम द्वारा लगातार जागरूकता, काउंसलिंग एवं उपचार उपलब्ध करवाकर नशा पीड़ितों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में एसआई सुंदर के कुशल नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद द्वारा सीएचसी रतिया में 02 नशा पीड़ितों को दाखिल करवाया गया तथा दाखिल पीड़ितों की काउंसलिंग की गई। टीम द्वारा रतिया शहरी क्षेत्र के 02 तथा गांव जाखन दादी के 01 पीड़ित को चिन्हित किया गया। इसके अलावा गांव करनौली के 03 व रतिया क्षेत्र के 04 उपचाराधीन पीड़ितों को भी काउंसलिंग उपरांत आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं। साथ ही करनौली व जाखन दादी के दो पीड़ित परिवारों की पढ़ाई छोड़ चुकी दो बच्चियों को पुनः शिक्षा से जोड़ने के लिए उनके परिजनों को प्रेरित करते हुए उन्हें गांव खाई स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में दाखिला दिलाने हेतु मार्गदर्शन किया गया।

वहीं उपनिरीक्षक सज्जन कुमार के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान के तहत टोहाना मंडल के गांव बोस्ती (थाना सदर टोहाना) का दौरा किया गया, जहां नशा पीड़ितों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य व सुधार की जानकारी ली गई। कुछ पीड़ितों में संतोषजनक सुधार पाया गया। टीम द्वारा गांव में शुल्फा, गांजा व शराब के प्रभाव के प्रति लोगों को जागरूक किया गया तथा दो चौपालों में उपस्थित ग्रामीणों को नशा छोड़ने हेतु उपलब्ध उपचार सुविधाओं की जानकारी दी गई। अभियान के दौरान 03 नशा पीड़ितों को सरकारी अस्पताल से दवाई भी दिलवाई गई। फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत इस प्रकार की गतिविधियां निरंतर जारी हैं तथा नशा पीड़ितों को उपचार व पुनर्वास से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

पानी आए तो बिजली गायब, बिजली आए तो पानी गायब: मंडावर में विभागीय तालमेल फेल, जनता बेहाल

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । गर्मी की तपती दोपहरों में जब हर घर को पानी की आस रहती है, उसी वक्त बिजली गुल हो जाए और जब बिजली लौटे तो नलों में पानी गायब–मंडावर शहर इन दिनों इसी विडंबना से जूझ रहा है। बीते कई दिनों से जलदाय और बिजली विभाग के बीच समन्वय के अभाव ने हालात ऐसे बना दिए हैं कि आमजन 'आसमान से गिरे, खजूर में अटके' वाली स्थिति में फंसा हुआ है। हालात यह हैं कि बूंद-बूंद पानी के लिए तरसते लोग अब आक्रोशित हो उठे हैं और रविवार को उन्होंने मुख्यमंत्री को ऑनलाइन शिकायत भेजकर स्थायी समाधान की मांग की है। शहर के हॉस्पिटल रोड,पाखर रोड,केशव नगर सहित कई मोहल्लों में जलापूर्ति का हाल यह है कि तीन दिन में एक बार मात्र डेढ़ घंटे के लिए पानी छोड़ा जाता है,लेकिन जैसे ही नलों में पानी आता है, उसी समय बिजली कटौती हो जाती है। बिजली के बिना लोगो की पानी की मोटरें ठप पड़ जाती हैं और लोग अपनी छत पर रखी टंकियो में पानी का भंडारण नहीं कर पाते। जैसे ही बिजली बहाल होती है, तब तक जलदाय विभाग की सप्लाई का समय खत्म हो चुका होता है। यह आंखमिचौली अब शहर के लोगों की रोजमर्रा की परेशानी बन चुकी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दोनों विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर अपने कर्तव्य से बच रहे हैं। जलदाय विभाग बिजली कटौती का हवाला देता है, तो बिजली विभाग इसे जलदाय विभाग की आंतरिक समस्या बताकर पल्ला झाड़ लेता है। इस 'पासिंग द पार्सल' के खेल में सबसे ज्यादा नुकसान आमजन का हो रहा है। 'न रहेगा बांस, न बजेगी बांसुरी' की तर्ज पर दोनों विभाग अपनी जवाबदेही से किनारा करते नजर आ रहे हैं।

भीषण गर्मी के इस मौसम में पानी की मांग बढ़ने के बावजूद हालात इतने खराब हैं कि लोगों को मजबूरन 500 से 600 रुपए खर्च कर निजी टैंकरो से पानी मंगवाना पड़ रहा हैं। इस तरह से आर्थिक बोझ के साथ-साथ मानसिक और शारीरिक परेशानी ने भी शहर के लोगों की कमर तोड़ दी है। शहरवासियों में इस व्यवस्था को लेकर गहरा रोष व्याप्त है और वे सवाल उठा रहे हैं कि जब सप्लाई का समय तय है तो उसी दौरान बिजली कटौती क्यों की जाती है, क्या दोनों विभागों के बीच कोई समन्वय तंत्र नहीं है और आखिर कब तक जनता अपने ही टैक्स से चलने वाले तंत्र की लापरवाही का खामियाजा भुगतती रहेगी। शहर में बढ़ते असंतोष के बीच लोगों की मांग है कि प्रशासन तत्काल हस्तक्षेप कर दोनों विभागों के बीच समन्वय स्थापित करे, ताकि जलापूर्ति के समय निर्बाध बिजली उपलब्ध हो सके और आमजन को राहत मिल सके।

इनका कहना है:?

प्रतिदिन पानी सप्लाई के लिए जगह और समय तय है, इसलिए समय सारणी के अनुसार ही सप्लाई खोली जाती है। अब अगर लाईट चली जाती है तो इसमें जलदाय विभाग क्या कर सकता हैं। यदि लाईट आने पर उसी स्थान की सप्लाई दोबारा शुरू की जाए तो अन्य क्षेत्रों की सप्लाई व्यवस्था प्रभावित होती है।

भूपेंद्र मीणा, एईएन, जलदाय विभाग, मंडावर।

आगामी मानसून में आंधी-तूफान के चलते बिजली लाइनों पर गिरने वाले पेड़ों से होने वाले नुकसान को देखते हुए लाइनों के ऊपर आ रहे पेड़ों की छंटाई के लिए बिजली कटौती की जा रही थी। छंटाई पूरी होने के बाद निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी और कम वोल्टेज वाले क्षेत्रों में शीघ्र अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे।

हरेन्द्र जाटव, कनिष्ठ अभियंता, जेवीवीएनएल, मंडावर।

फतेहाबाद के थाना भुना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, जानलेवा हमले के मामले में आरोपी काबू

कुल्हाड़ी से हमला कर घायल करने के मामले में एक आरोपी काबू,

भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना/भुना।

रजत विजय रंगा । थाना भुना पुलिस ने जानलेवा हमले के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस द्वारा मामले में गहन जांच जारी रखते हुए आरोपी को काबू किया गया है। थाना भुना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि आरोपी की पहचान अंकित उर्फ सन्नी पुत्र जगदीश निवासी ढाणी भोजराज, तहसील टोहाना जिला फतेहाबाद के रूप में हुई। पुलिस को दी गई शिकायत में शिकायतकर्ता राजेश कुमार पुत्र विशना राम निवासी ढाणी भोजराज ने बताया कि वह गांव में किरयाना की दुकान चलाता है। दिनांक 24 अप्रैल को गांव में हुए आपसी विवाद के दौरान, पंचायत सदस्य होने के नाते वह समझौता करवाने गया था, जिससे आरोपियों के साथ रंजिश उत्पन्न हो गई। इसी रंजिश के चलते उसी दिन शाम आरोपी सचिन पुत्र साधू राम व अंकित मोटरसाइकिल पर सवार होकर उसकी दुकान पर पहुंचे। आरोपियों में से एक ने दुकान में घुसकर कुल्हाड़ी से उस पर हमला किया, जिससे शिकायतकर्ता के बाएं हाथ पर चोट आई। शिकायतकर्ता ने मौके पर मौजूद सामान की सहायता से अपनी जान बचाई, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए और जाते समय जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने शिकायत व मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर थाना भुना में अभियोग संख्या 95 दिनांक 25.04.2026 के तहत धारा 115(2), 3(5), 109(1), 333, 351(2) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अंकित को काबू कर लिया गया है, जिसे माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा, जबकि अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

महिला शक्ति की मिसाल: वर्धमान ग्रुप ने लगाया विशाल निशुल्क कैंसर जांच शिविर

भीम प्रज्ञा न्यूज

कोटा । 'कैंसर लाइलाज नहीं, समय पर पहचान जरूरी है '–इसी संदेश के साथ दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप वर्धमान की महिला कार्यकारिणी ने रविवार को तलवंडी स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर धर्मशाला में विशाल निशुल्क कैंसर जांच एवं बहुउद्देशीय चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया।

4 महीनों में सेवा के नए आयाम - ग्रुप के इतिहास में पहली बार महिला टीम ने मात्र चार माह में धार्मिक, सामाजिक और स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावी श्रृंखला खड़ी कर प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया।

370 लाभार्थियों को मिला फायदा, 1050 से अधिक जांचें - शिविर में सर्व समाज के 370 लोगों ने भाग लेकर निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कुशल प्रबंधन के चलते 1050 से अधिक जांचें सफलतापूर्वक की गईं।

विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दिया परामर्श - जयपुर के भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की टीम अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक वैन के साथ पहुंची। इस दौरान डॉ. अंकुर जैन, डॉ. पार्थ जेठवानी, डॉ. मयंक जैन और डॉ. अरनव सिंह सरोया सहित विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों को परामर्श दिया।

मुफ्त में हुई महंगी जांचें - शिविर में मेमोग्राफी, पेप स्मीयर, फेफड़ों का एक्स-रे, सीए-125, पीएसए सहित शुगर, बीपी, थायराइड, बोन डेंसिटी, लिपिड प्रोफाइल और आंखों की जांचें निःशुल्क की गईं।

कुशल नेतृत्व और व्यवस्थापन - संस्थापक अध्यक्ष सुषमा-सुरेश जैन हरसोरा, अध्यक्ष सीमा-अरविंद जैन बागड़िया और सचिव श्वेता-नवीन जैन सेठिया के नेतृत्व में आयोजन भव्य रहा। संयोजक इन्द्रा-राजेन्द्र जैन ताथेड़िया, सुनीता-अनिल जैन ठोरा और रूबी-मनोज जैन साकुन्या ने व्यवस्थाएं संभालीं।

अतिथियों ने सराहा आयोजन - मुख्य अतिथि जम्बू कुमार सेठिया सहित अन्य अतिथियों ने महिला कार्यकारिणी के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे सामाजिक सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। इस सफल आयोजन ने यह साबित कर दिया कि मजबूत इरादों और सेवा भाव से समाज में बड़ा परिवर्तन संभव है।

गौ सम्मान दिवस पर लक्ष्मनगढ के गौभक्त संतों के सानिध्य आज उपखण्ड अधिकारी को देंगे ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

गौ सम्मान दिवस पर लक्ष्मनगढ के गौ भक्तो की ओर से गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना, गौ माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा देने, केन्द्रीय गौ सेवा मंत्रालय का गठन करने, गोचर भूमि सुरक्षा, गौ चारा व्यवस्था आदि मांगो को लेकर 27 अप्रैल सोमवार को श्री शीलजति महाराज का आश्रय भोजासर बडा के पीठाधीश्वर शिवराज जति महाराज के नेतृत्व में संतों के सानिध्य में श्री विजय रघुनाथ बिदावत जी के मंदिर में सोमवार 27 अप्रैल को प्रातः 9 बजे इकट्ठे होक संकीर्तन करते हुए उपखण्ड अधिकारी कार्यालय पहुंचेंगे जहां देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राजस्थान के राज्यपाल, मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया जायेगा। मिली जानकारी के गौ सेवक संजय जोशी ने अपनी टीम के साथ मिलकर 3 हजार पांच सौ हस्ताक्षर करवाये है। जबकि लक्ष्मणगढ में करीब 5 हजार हस्ताक्षर हुए है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्षों में लंपी की बीमारी में भी टीम संजय जोशी ने बहुत ही सराहनीय कार्य किया था?।

फतेहाबाद में स्व-गणना पोर्टल शुरू, नागरिक खुद भर रहे परिवार का डेटा

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

30 अप्रैल तक ऑनलाइन प्रक्रिया, मई में घर-घर होगा सत्यापन

रजत विजय रंगा । भारत सरकार के निर्देशानुसार जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत जिले में स्व-गणना की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अब नागरिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार और मकान से संबंधित जानकारी स्वयं दर्ज कर रहे हैं।उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बताया कि स्व-गणना की यह सुविधा 30 अप्रैल 2026 तक उपलब्ध रहेगी। इसके बाद 1 मई से 30 मई तक प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी का सत्यापन और मकान सूचीकरण का कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि नागरिक निर्धारित पोर्टल पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं, जहां राज्य का चयन, परिवार के मुखिया का नाम और मोबाइल नंबर दर्ज करना आवश्यक है। एक बार दर्ज किया गया मुखिया का नाम और भाषा बाद में बदली नहीं जा सकेगी, इसलिए जानकारी सावधानीपूर्वक भरनी होगी। स्व-गणना के दौरान नागरिकों को अपने मकान का सटीक स्थान मानचित्र पर चिन्हित करना होगा और सभी आवश्यक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। जानकारी सबमिट करने के बाद 11 अंकों की एक विशिष्ट पहचान संख्या (स्थ्र ह्रष्ठ) जारी होगी, जो मोबाइल और ईमेल पर प्राप्त होगी। डीसी ने स्पष्ट किया कि ऑनलाइन डेटा भरने के बाद भी क्षेत्रीय सत्यापन अनिवार्य रहेगा। जब प्रगणक सर्वे के लिए घर आएंगे, तब नागरिकों को अपनी स्थ्र ह्रष्ठ साझा करनी होगी। यदि जानकारी सही पाई जाती है तो उसे अंतिम रूप दिया जाएगा, अन्यथा पुनः डेटा एकत्रित किया जाएगा। अंत में उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने सभी नागरिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की कि वे समय रहते स्व-गणना प्रक्रिया पूर्ण करें, सही और सटीक जानकारी दर्ज करें तथा जनगणना 2027 को सफल बनाने में सहयोग दें।

सिंघाना में श्री सांवरिया सेठ बैल्डिंग वर्कशॉप का हुआ भव्य शुभारम्भ

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

नगर पालिका सिंघाना के नारनौल रोड़ पर बालाजी मार्केट में रविवार को श्री सांवरिया सेठ बैल्डिंग वर्कशॉप का विधि-विधान और पूजा-अर्चना के साथ भव्य शुभारम्भ किया गया। इस नए प्रतिष्ठान का उद्घाटन मुख्य अतिथि सहयोग एक पहल संस्थान अध्यक्ष डी.पी. सैनी सिंघाना द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अरविन्द सैनी (नानूवाली बावड़ी) एवं नरेन्द्र सैनी उपस्थित रहे। अतिथियों ने फीता काटकर वर्कशॉप की शुरुआत की और प्रोपराईटर अनिल सैनी को नए व्यवसाय के लिए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। वर्कशॉप के संचालक अनिल सैनी ने बताया कि यहाँ ग्राहकों को एक ही छत के नीचे बेहतरीन गुणवत्ता का काम मिलेगा। वर्कशॉप में मुख्य रूप से मजबूत जंगला, जाली और आकर्षक गेट, रैलिंग, कूलर बॉडी और टिकाऊ अलमारी,बक्सा एवं टीन शैड बनाने का कार्य संतोषजनक ढंग से किया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे, जिनमें कैलाश सैनी, हजारीलाल, हिरालाल, फूलचन्द, रामावतार, रामस्वरूप, पी.के. सैनी, निक्की, राहुल ढ़ाणा, जितेन्द्र (पिन्टू सैनी), सचिन ढ़ाणा, दिनेश बबेरवाल, राजेन्द्र सैनी (शिव प्रिण्टर्स), नरेश सैनी,

रूड़मल, डॉ. मनोज, डॉ. सुनिल, अजीत जांगिड़, रणजीत, विक्रम, राहुल सहित कई ग्रामीण और व्यापारी साथी शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में प्रोपराईटर अनिल सैनी ने सभी आए हुए अतिथियों को लड्डु बाटकर आभार व्यक्त किया।

गौ माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा देने की मांग तेज, के.के. गुप्ता का जन आंदोलन का आह्वान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । स्वच्छ भारत मिशन राजस्थान के प्रदेश स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता ने गौ माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा देने की मांग उठाते हुए इसे जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गाय का महत्वपूर्ण स्थान है, इसलिए इसके संरक्षण के लिए ठोस कदम जरूरी हैं। गुप्ता ने बताया कि यह कदम गौशालाओं के विकास,

निराश्रित गोवंश की समस्या के समाधान और पशुधन संवर्धन में सहायक होगा। उन्होंने स्वच्छता और गौ संरक्षण को आपस में जुड़ा बताते हुए कहा कि सड़कों पर घूम रहे गोवंश को प्लास्टिक और कचरे से गंभीर नुकसान हो रहा है। उन्होंने लोगों, खासकर महिलाओं से अपील की कि पॉलिथीन खुले में न फेंकें और कचरे का सही निस्तारण करें।गुप्ता ने चेतावनी दी कि प्लास्टिक खाने वाली गायों के दूध से मानव स्वास्थ्य पर भी दुष्प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने समाज से गौ सेवा और संरक्षण के लिए सक्रिय भागीदारी की अपील की।

फंस गए चड्ढा? कपिल सिब्बल ने निकाला पेच, अब उसी पर सियासी चाल चलेंगे केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) अपने सात राज्यसभा सांसदों के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद अब पूरी तरह से आक्रामक और एक्शन मोड में नजर आ रही है। पार्टी इस पूरे घटनाक्रम को केवल राजनीतिक धोखा नहीं, बल्कि एक संवैधानिक संकट मान रही है और इसे संसद से लेकर राष्ट्रपति भवन तक ले जाने की पूरी तैयारी कर चुकी है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के साथ-साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर इन बागी सांसदों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने का निर्णय लिया है।

पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि वे इस मुद्दे पर किसी भी तरह का समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने घोषणा की है कि वे राज्यसभा अध्यक्ष को औपचारिक पत्र लिखकर इन सातों सांसदों की सदस्यता तत्काल प्रभाव से खत्म करने की मांग करेंगे। संजय सिंह का तर्क है कि यह पूरा घटनाक्रम असंवैधानिक और संसदीय मर्यादाओं के खिलाफ है। वहीं, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा है। पार्टी की मंशा पंजाब से चुने गए इन सांसदों को वापस बुलाने यानी रिकॉल करने की मांग उठाने की है, हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय संविधान में फिलहाल ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है।

इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत तब हुई जब राघव चड्ढा की अगुवाई में कुल दस में से सात सांसदों ने पाला बदलकर बीजेपी का दामन थाम लिया। बागी गुट में अशोक मित्तल, संदीप पाठक, राजेंद्र गुप्ता, विक्रम साहनी, हरभजन सिंह और स्वाति मालीवाल जैसे बड़े नाम शामिल हैं। बागी गुट का दावा है कि उनके पास दो-तिहाई बहुमत है, इसलिए उनका विलय कानूनी रूप से वैध है। हालांकि, कानूनी विशेषज्ञों और वरिष्ठ वकीलों का मानना है कि किसी भी विलय के लिए केवल सांसदों की सहमति काफी नहीं होती, बल्कि मूल पार्टी के स्तर पर भी औपचारिक प्रस्ताव आवश्यक है। आम आदमी पार्टी ने इस टूट के पीछे केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि विपक्षी नेताओं को डराने और विपक्ष को कमजोर करने के लिए छापेमारी का सहारा लिया गया है। दूसरी ओर, बीजेपी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे सांसदों की अंतरात्मा की आवाज करार दिया है। अब सभी की निगाहें राज्यसभा अध्यक्ष और राष्ट्रपति के रुख पर टिकी हैं कि वे इस संवैधानिक पेच पर क्या फैसला लेते हैं। यह मामला भविष्य में पंजाब की राजनीति और देश के दल-बदल कानून की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

दिल्ली मेट्रो के महिला शौचालय में मिला शव, रोहिणी मेट्रो स्टेशन में बम होने की अफवाह से मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में शनिवार को मेट्रो स्टेशनों पर हुई दो अलग-अलग घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था और हालात को लेकर चिंता बढ़ा दी। एक ओर जहां रोहिणी सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन पर बम की अफवाह से हड़कंप मच गया, वहीं दूसरी ओर इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर महिला शौचालय के अंदर एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पहली घटना उत्तर-पश्चिम दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन की है, जहां शाम करीब 5:30 बजे बम होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता, बम डिटेक्शन टीम और सीआईएसएफ के जवान तुरंत मौके पर पहुंच गए। पूरे स्टेशन परिसर की गहन तलाशी ली गई, लेकिन जांच में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस के अनुसार, यह एक फर्जी कॉल थी। मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है, जो प्रारंभिक जांच में मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है। अधिकारियों ने राहत की बात बताते हुए कहा कि इस घटना का मेट्रो सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ा और परिचालन सामान्य रूप से जारी रहा। वहीं दूसरी घटना इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन की है, जहां शाम करीब 5:33 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचना मिली कि स्टेशन के सुलभ परिसर में स्थित महिला शौचालय अंदर से बंद है और वहां से तेज दुर्गंध आ रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां लगभग 40 वर्षीय एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मृतक शौचालय का केयरटेकर प्रतीत हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उसे आखिरी बार करीब दो दिन पहले देखा गया था। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पहचान की प्रक्रिया जारी है।

केदारनाथ मार्ग पर बारिश में कार खाई में गिरी, 4 लोगों को बचाया

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार देर शाम एक बड़ा हादसा हुआ, जब एक कार 50 मीटर गहरी खाई में गिर गई। गुप्तकाशी और गौरीकुंड के बीच जुरानी बैरियर के पास हुई इस घटना में महाराष्ट्र की तीन महिला तीर्थयात्रियों और चालक को पुलिस और बचाव दल ने सुरक्षित बचा लिया। अधिकारियों ने बताया कि सबसे पहले यातायात टीम ने घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही गुप्तकाशी पुलिस थाना, फाटा चौकी और यातायात पुलिस के कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। भारी बारिश और प्रतिकूल मौसम के बावजूद, बचाव दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षतिग्रस्त कार से चालक समेत सभी चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। बचाई गई महिला तीर्थयात्रियों की पहचान महाराष्ट्र निवासी सुषमा, साधना और लता के रूप में हुई है। सभी पीड़ितों को तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

मुंबई में पाइप गैस के नाम पर साइबर ठगी: 30 दिन में 100 से ज्यादा लोग ठगे गए, 2.7 करोड़ की चपत

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया संकट और एलपीजी की संभावित कमी की आशंकाओं के बीच साइबर ठगों ने नया तरीका अपनाकर मुंबई में लोगों को निशाना बनाया है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) के पाइप गैस उपभोक्ताओं और नए कनेक्शन के आवेदकों को फर्जी मैसेज और कॉल के जरिए ठगकर पिछले 30 दिनों में 100 से अधिक लोगों से करीब 2.7 करोड़ रुपये ठग लिए गए हैं। पुलिस में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, ठगों ने लोगों को डराने के लिए 'आज रात कनेक्शन बंद हो जाएगा' जैसे मैसेज भेजे। इसके बाद उन्हें एक लिंक के जरिए मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड करने को कहा गया। यह फाइल असल में एक मालवेयर था, जिससे ठगों को फोन का रिमोट एक्सेस मिल जाता था और वे बैंकिंग जानकारी चुरा लेते थे। साइबर पुलिस के डीआईजी संजय शिंत्रे कहते हैं कि ठग पहले एसएमएस या व्हाट्सऐप पर बिल अपडेट न होने या भुगतान बाकी होने का झूठा मैसेज भेजते थे। फिर खुद को एमजीएल या इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन का अधिकारी बताकर कॉल करते थे। वे लोगों को 'वेरिफिकेशन' या 'अपडेट' के नाम पर एपीके फाइल डाउनलोड कराते थे। इसे इंस्टॉल करते ही ठग फोन को कंट्रोल कर लेते थे और ओटीपी सहित बैंक डिटेल्स हासिल कर लेते थे। इसके बाद कुछ ही मिनटों में कई ट्रांजेक्शन कर लाखों रुपये उड़ा लेते थे। पीड़ितों में घरेलू सहायकों से लेकर शिक्षक, ड्राइवर, वकील, पत्रकार, व्यवसायी, सरकारी कर्मचारी और बुजुर्ग शामिल हैं। उधर महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने स्पष्ट किया है कि वह कभी भी संदिग्ध मैसेज के जरिए कनेक्शन बंद करने की धमकी नहीं देता। एपीके फाइल डाउनलोड करने के लिए नहीं कहता और बिल अपडेट के लिए अनजान नंबरों पर कॉल करने को नहीं कहता।

विश्व मलेरिया दिवस के मौके पर डब्ल्यूएचओ ने बताए मलेरिया से बचाने के उपाय

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक मच्छर भी आपके स्वास्थ्य के लिए बड़ी दिक्कत पैदा कर सकता है। विश्व मलेरिया दिवस के मौके पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मलेरिया को पूरी तरह समाप्त करने के बता कह कर कहा कि मच्छरों के काटने से फैलने वाली बीमारी के बचाव के लिए हमें क्या करना और क्या नहीं करना चाहिए। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, इन बीमारियों को आसानी से रोका और ठीक किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सावधानी जरूरी है। संगठन ने आम लोगों से अपील की है कि वे मच्छरों को पनपने से रोकें और खुद को बचाएं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए घर के आसपास जमे पानी को पूरी तरह हटा दें। मच्छर पानी में अंडे देते हैं, इसलिए गमलों, टायरों, बाल्टियों या किसी भी जगह पर पानी जमा न रहने दें। सूरज डूबने से लेकर सूरज उगने तक पूरी बाजू वाले कपड़े पहनें ताकि मच्छर काट न सकें। सोते समय मच्छरदानी का इस्तेमाल जरूर करें। खिड़कियों और दरवाजों पर जाली लगाएं ताकि मच्छर घर के अंदर न आ सकें। इसके अलावा, लक्षणों पर नजर रखें जैसे मलेरिया के शुरुआती लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। मलेरिया के आम लक्षण हैं, बुखार, शरीर में दर्द, ठंड लगना, थकान, सिरदर्द और मतली। अगर इनमें से कोई भी लक्षण दिखने पर देर न करें। वहीं, गंभीर लक्षण में भ्रम की स्थिति, सांस लेने में तकलीफ, दौरे पड़ना व गाढ़ा पीला पेशाब होना।

तेलंगाना: चारमीनार एक्सप्रेस के कोच में लगी भीषण आग, बाल-बाल बचे यात्री

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के यदाद्री भुवनगिरी जिले में एक बड़ा रेल हादसा होने से टल गया, जहाँ चारमीनार एक्सप्रेस के एक कोच में अचानक आग लग गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जब ट्रेन अलेर रेलवे स्टेशन के पास से गुजर रही थी, तभी उसके एस-5 कोच से धुएं के साथ आग की तेज लपटें उठने लगीं। राहत की बात यह रही कि घटना के समय ट्रेन की रफ्तार काफी कम थी, जिसके चलते किसी भी यात्री के हताहत होने की खबर नहीं है। हादसे के दौरान कोच में सवार यात्रियों के बीच चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई।

जैसे ही आग की लपटें खिड़कियों से बाहर निकलने लगीं, यात्रियों ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत चेन खींच दी। ट्रेन की गति धीमी होने के बावजूद दहशत में आए कुछ यात्री ट्रेन रुकने से पहले ही खिड़कियों और दरवाजों से बाहर कूद गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, देखते ही देखते पूरा कोच आग की भट्ठी में तब्दील हो गया था, लेकिन समय रहते ट्रेन रुक जाने से आग अन्य डिब्बों तक नहीं फैल सकी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में ट्रेन के कोच से भयावह काला धुआं और लपटें उठती देखी जा सकती हैं। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि पूरी जांच के बाद ही असली वजह सामने आ पाएगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुँचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की है और मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। इस हादसे ने एक बार फिर ट्रेनों में सुरक्षा मानकों और बिजली के रख-रखाव पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

व्हाइट हाउस डिनर पार्टी में फायरिंग को लेकर बोलीं प्रियंका चतुर्वेदी

भारत को नरक कहने वालों... दिखा असली नरक

-ट्रंप ने बताया था भारत को नरक अब उन पर साधा जा रहा राजनीतिक तौर पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस कॉरस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई फायरिंग की घटना के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर तेज हो गया है। इस घटना पर शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पुराने बयान पर तीखा पलटवार किया है। प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिस देश ने भारत को 'नरक' कहा था, वह खुद गन हिंसा के कारण गंभीर संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने अमेरिका में बढ़ती गोलीबारी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए इसे एक बड़ी समस्या बताया। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान गोलियों की आवाज सुनाई देना बेहद चिंताजनक है। घटना के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को तुरंत सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। प्रियंका ने अपने पोस्ट में लिखा कि अमेरिका में बंदूक हिंसा एक पुरानी और गंभीर समस्या है, जिस पर हर बड़ी घटना के बाद चर्चा तो होती है, लेकिन ठोस समाधान नहीं निकलता। उन्होंने कहा कि इस समस्या के कारण स्कूली बच्चों, निर्दोष नागरिकों और यहां तक कि राजनीतिक नेताओं की भी जान जा चुकी है। इस घटना के बहाने उन्होंने ट्रंप के उस बयान को भी याद दिलाया, जिसमें भारत और भारतीय प्रवासियों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। प्रियंका ने कहा कि गन हिंसा से निपटने में विफलता के चलते अमेरिका खुद 'नरक जैसा' बनता जा रहा है।

कर्नाटक में सियासी हलचल तेज, सीएम बदलने की अटकलों को मिली हवा

दिल्ली में डटे डीके शिवकुमार, बेंगलुरु में सिद्धारमैया की 'सीक्रेट' बैठक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में इन दिनों अंदरूनी खींचतान तेज होती नजर आ रही है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के दिल्ली दौरे और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की बेंगलुरु में बंद कमरे की बैठक ने राज्य की राजनीति को गरमा दिया है। इन घटनाक्रमों के बाद राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें एक बार फिर तेज हो गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दावणगेरे उपचुनाव से जुड़ा विवाद अब पार्टी के भीतर शक्ति संतुलन की लड़ाई का रूप लेता दिख रहा है। एक ओर शिवकुमार खेमे के नेता सक्रिय हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सिद्धारमैया समर्थक भी अपनी रणनीति को मजबूत करने में जुट गए हैं। इसी बीच, सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के कनिंघम रोड स्थित एक निजी स्थान पर अपने करीबी मंत्रियों के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में जी. परमेश्वर, के. एच. मुनियप्पा, सतीश जरकीहोली, जमीर अहमद खान और दिनेश गुंडू राव समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बताया जा रहा है कि बैठक में संभावित कैबिनेट फेरबदल और पार्टी के अंदरूनी मुद्दों पर चर्चा की गई।

वहीं दूसरी तरफ, डीके शिवकुमार अपने भाई डीके सुरेश के साथ दिल्ली पहुंचे और पार्टी नेतृत्व से मुलाकात कर रहे हैं। उन्होंने इस बैठक को लेकर अनभिज्ञता जताते हुए कहा कि वे नेताओं को 'करीबी' या 'गैर-करीबी' के आधार पर नहीं आंकते। हालांकि सार्वजनिक मंचों पर दोनों नेताओं ने एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की है, लेकिन उनके समर्थकों के बयानों में मतभेद साफ नजर आ रहा है। सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र सिद्धारमैया ने दावा किया कि उनके पिता पूरे पांच साल मुख्यमंत्री बने रहेंगे। वहीं, शिवकुमार समर्थक विधायकों का कहना है कि मौजूदा कार्यकाल में ही उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आगामी उपचुनाव और सरकार के तीन साल पूरे होने के बाद पार्टी में बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। खुद शिवकुमार ने भी संकेत दिए हैं कि 20 मई से पहले कुछ 'अप्रत्याशित घटनाक्रम' देखने को मिल सकते हैं। फिलहाल, अंतिम फैसला कांग्रेस हाईकमान के हाथ में है, लेकिन जिस तरह से दोनों खेमे सक्रिय हुए हैं, उससे साफ है कि कर्नाटक की राजनीति आने वाले दिनों में और ज्यादा गर्माने वाली है।

देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी के बीच बारिश का रेड अलर्ट, ओलावृष्टि और तूफान की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों से जूझ रहे भारत के कई राज्यों के लिए राहत की खबर सामने आई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देश के विभिन्न हिस्सों में बारिश, आंधी-तूफान और ओलावृष्टि का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, जहां एक ओर मैदानी इलाकों में सूरज की तपिश चरम पर है, वहीं दूसरी ओर पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश और तूफान की प्रबल संभावना बनी हुई है, जिसका असर आसपास के राज्यों पर भी देखने को मिलेगा।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, 26 से 28 अप्रैल के दौरान जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और मुजफ्फराबाद में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, जहाँ हवाओं की गति 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं, 28 से 30 अप्रैल के बीच हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में भी छिटपुट बारिश की संभावना जताई गई है। मैदानी राज्यों की बात करें तो पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान में 27 से 30 अप्रैल के दौरान मौसम में बदलाव दिखेगा। उत्तर प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में भी 28 अप्रैल से 1 मई के बीच गरज और तेज हवाओं के साथ बारिश होने के आसार हैं। पिछले 24 घंटों में उत्तर प्रदेश का बांदा 47.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे गर्म स्थान रहा, लेकिन आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट की उम्मीद है। आईएमडी का कहना है कि 28 अप्रैल से उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत के तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की कमी आ सकती है, जिससे लू से कुछ राहत मिलेगी। हालांकि, पूर्वोत्तर राज्यों के लिए आगामी कुछ दिन चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में 27 अप्रैल से 1 मई के बीच भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। विशेषकर असम और मेघालय में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाले भीषण तूफान की चेतावनी दी गई है, जिससे जलभराव और दृश्यता कम होने की आशंका है।

पूर्वी भारत में झारखंड और दक्षिण के उत्तर आंतरिक कर्नाटक में 26 और 27 अप्रैल को ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल, बिहार और ओडिशा में भी तेज हवाओं के साथ बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने आम जनता को सलाह दी है कि जब तक तापमान में गिरावट नहीं आती, तब तक दोपहर के समय धूप में बाहर निकलने से बचें और मौसम की चेतावनियों को ध्यान में रखते हुए सावधानी बरतें।

हमारी जनगणना-हमारा विकास: राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें नागरिक- डीसी अनुपमा अंजली

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने जिलावासियों से आह्वान किया है कि जनगणना केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं बल्कि देश की प्रगति का आधार है। उन्होंने बताया कि दुनिया के इस सबसे बड़े जनगणना अभियान में आमजन की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। आधुनिक तकनीक का लाभ उठाते हुए सरकार ने इस बार नागरिकों को सेल्फ एन्यूमरेशन यानी स्वयं गणना की सुविधा दी है, जिसके लिए आगामी 30 अप्रैल तक आधिकारिक पोर्टल खुला रहेगा। कोई भी नागरिक पोर्टल https//se.census.gov.in पर स्व जनगणना कर सकता है। उपायुक्त ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि उनकी व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय और सुरक्षित है। जनगणना अधिनियम 1948 के तहत आंकड़ों की गोपनीयता की कानूनी गारंटी दी गई है। यह डेटा सुरक्षित सर्वर पर एन्क्रिप्टेड रूप में संग्रहित किया जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस डेटा का उपयोग किसी भी प्रकार की जांच, टैक्स या पुलिस कार्रवाई के लिए नहीं किया जा सकता। रिपोर्ट में केवल संकलित आंकड़े ही प्रकाशित किए जाते हैं और किसी व्यक्ति का नाम या पता किसी को नहीं दिया जाता। उन्होंने बताया कि पहले चरण में मकानों की सूचीकरण जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत फिलहाल मकानों का सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य किया जा रहा है। उपायुक्त ने अपील की है कि जनगणना के लिए आने वाले कर्मचारियों को सही जानकारी दें और निडर होकर इस प्रक्रिया का हिस्सा बनें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना की जिम्मेदारी केवल सरकारी कर्मचारियों की ही नहीं बल्कि हर प्रबुद्ध नागरिक की भी है।

नागरिकों की सहायता के लिए टोल-फ्री नंबर 1855 जारी

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने डिजिटल माध्यम का उपयोग करते हुए कोई भी नागरिक अपने परिवार का विवरण खुद भी भर सकता है। इससे न केवल समय की बचत होगी बल्कि आंकड़ों की सटीकता भी सुनिश्चित होगी। किसी भी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए सरकार द्वारा टोल-फ्री नंबर 1855 भी जारी किया गया है। उपायुक्त ने अंत में संदेश दिया कि भरोसा भी, भागीदारी भी के मंत्र के साथ हम सभी को देश के विकास में अपना सहयोग देना चाहिए। नागरिकों द्वारा दी गई सही जानकारी ही भविष्य की योजनाओं और नीतियों के निर्माण में सहायक सिद्ध होगी।

भारत-चीन के बीच रूसी तेल को लेकर खींचतान, सऊदी अरब में भी लगाई सेंध

-प्रतिस्पर्धा तेज, जून में आने वाली तेल की खेपों के लिए बोली लगाना शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल-अमेरिका के साथ चल रहे ईरान युद्ध ने भारत और चीन को एक ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां 'दोस्ती' नहीं, बल्कि 'जरूरत' मायने रखती है। होर्मुज में जारी तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच ठप पड़ी शांति वार्ता ने वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की किल्लत पैदा कर दी है। इसके परिणामस्वरूप अब भारत और चीन के बीच रूसी तेल के हर एक बैरल को लेकर जबरदस्त खींचतान शुरू हो गई है, जिससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक होर्मुज के रास्ते में ईरान की घेराबंदी और खाड़ी देशों के तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगातार हो रहे हमलों ने मिडिल ईस्ट से आने वाले तेल की आपूर्ति पर ब्रेक लगा दिया है। कल तक जो भारत और चीन सऊदी अरब और इराक से बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहे थे, आज वे अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह रूस की तरफ मुड़ गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि रूसी कच्चे तेल के लिए भारत और चीन के बीच मुकाबला अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जून में आने वाली तेल की खेपों के लिए दोनों देशों ने अभी से ही बोली लगानी शुरू कर दी है, जिससे प्रतिस्पर्धा और भी तीव्र हो गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध से पहले के आंकड़ों पर गौर करें तो चीन होर्मुज के रास्ते रोजाना करीब 44.5 लाख बैरल तेल मंगाता था, जो अप्रैल में घटकर मात्र 2.2 लाख बैरल रह गया। वहीं, भारत के लिए भी यह आंकड़ा 28 लाख बैरल से लुढ़ककर 2.4 लाख बैरल पर आ गया है, जो एक बड़ी गिरावट है। तेल भंडार के मामले में भारत की स्थिति चिंताजनक है। चीन के पास करीब तीन से चार महीने का तेल भंडार है, जबकि भारत के पास केवल 30 दिनों का बफर स्टॉक है। भारत सरकार ने अब तक पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाए हैं, जिससे देश में ईंधन की मांग कम नहीं हुई है। इसका सीधा मतलब है कि भारत को किसी भी कीमत पर तेल चाहिए, जो उसकी मोलभाव करने की क्षमता को कमजोर करता है।

रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने हाल ही में एक इंटरव्यू में साफ किया कि भारत भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है और रूस इस सहयोग को आगे बढ़ाना चाहता है। उन्होंने अमेरिकी पाबंदियों को 'अवैध दबाव' करार दिया। अब हकीकत यह है कि भारत के पास अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूस के अलावा कोई ठोस विकल्प नहीं है, खासकर जब वैश्विक बाजार में अन्य स्रोतों से आपूर्ति बाधित हो रही है। इस बीच चीन ने भारत की एक और प्रमुख तेल आपूर्ति स्रोत सऊदी अरब में भी सेंध लगा दी है। युद्ध से पहले भारत सऊदी अरब से अपना तेल आयात बढ़ा रहा था, लेकिन अब वहां भी चीन ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। सऊदी अरब ने चीन की रिफाइनरियों में मोटा पैसा लगा रखा है। अप्रैल में सऊदी अरब ने चीन को 13.5 लाख बैरल तेल भेजा है, जो यह दर्शाता है कि चीन न केवल रूसी तेल के लिए भारत से मुकाबला कर रहा है, बल्कि पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं पर भी अपनी पकड़ बना रहा है, जिससे भारत के लिए चुनौती खड़ी गई है।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंसर्स के बीच मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम सोमवार को यहां अपने घरेलू मैदान अरुण जेटली स्टेडिमय में रॉयल चैलेंसर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला करेगी। इसमें दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। पिछले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ हारने के कारण दिल्ली कैपिटल्स पर दबाव रहेगा और वह इस मैच में हर हाल में जीत चाहेगी। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए प्लेऑफ में अपनी जगह मजबूत करने के लिए बेहद अहम रहेगा।।

दिल्ली की सबसे बड़ी कमजोरी गेंदबाजी है हो उसे ठीक करनी होगी। टीम के बल्लेबाज लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं पर गेंदबाज बड़े स्कोर का बचाव भी नहीं कर पा रहे रहे हैं। कप्तान अक्षर पटेल को अपने गेंदबाजों को और प्रेरित करना होगा। । कुलदीप यादव, मुकेश कुमार और टी नटराजन जैसे खिलाड़ियों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और डेथ ओवरों में सटीक लाइन-लेंथ के साथ उतरना होगा ताकि टीम जीत की राह पर लौट सके।

वहीं बल्लेबाजी में दिल्ली का शीर्ष क्रम बेहद अच्छा है। केएल राहुल टीम को लगातार तेज शुरुआत दे रहे हैं, जिसमें पृथ्वी शॉ और पथुम निसांका भी आक्रामक अंदाज में रन बना रहे हैं। मध्यक्रम में नीतीश राणा और डेविड मिलर टीम को स्थिरता प्रदान करते हैं, जिससे टीम एक मजबूत स्कोर खड़ा करने में सक्षम होती है।

वहीं दूसरी ओर रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी इस सत्र की सबसे अच्छी टीमों में से एक के रूप में उभरी है। टीम के पास अनुभवी बल्लेबाज और प्रभावी गेंदबाज दोनों मौजूद हैं, जो उन्हें एक मजबूत दावेदार बनाता है। उसके पस विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में जोश हेज़लवुड, भुवनेश्वर कुमार और सुयश शर्मा किसी भी बल्लेबाजी क्रम को रोकने में सक्षम है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अब तक 34 मुकाबले हुए हैं जिसमें आरसीबी ने 20 जबकि दिल्ली ने 13 जीते हैं। इस प्रकार आरबीबी का पलड़ा भारी है।

टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, नीतीश राणा, टी नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, टिम डेविड, जैकब बेथेल, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेज़लवुड, नुवान तुषारा, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, भुवनेश्वर कुमार, जॉर्डन कॉक्स, सुयश शर्मा, वेंकटेश अय्यर, स्वप्निल सिंह, जैकब डफी, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, मंगेश यादव, फिल साल्ट, सात्विक देसवाल, विक्की ओस्तवाल, विहान मल्होत्रा।

केएल राहुल का ऐतिहासिक शतक: आईपीएल में सबसे बड़ी भारतीय पारी का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 35वें मुकाबले में शनिवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम एक ऐतिहासिक पल का गवाह बना, जब दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए कई रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। राहुल ने मात्र 67 गेंदों पर 16 चौकों और 9 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 152 रनों की अविश्वसनीय पारी खेली, जिससे वह आईपीएल इतिहास में सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि हासिल करते हुए अभिषेक शर्मा के पिछले साल के 141 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इतना ही नहीं, राहुल अब दिल्ली कैपिटल्स की ओर से भी आईपीएल में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने ऋषभ पंत के 2018 में बनाए गए 128 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

राहुल की यह पारी आईपीएल इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी पारी है। उनसे पहले केवल वेस्टइंडीज के क्रिस गेल (नाबाद 175) और न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैक्कुलम (नाबाद 158) ही 150 से अधिक रनों की पारी खेल पाए हैं, जिससे राहुल इस विशिष्ट सूची में शामिल होने वाले महज तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। राहुल ने अपनी इस शानदार पारी में नीतीश राणा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए मात्र 95 गेंदों में 220 रनों की एक यादगार साझेदारी निभाई। यह साझेदारी आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी भी है, जिसने पंजाब किंग्स के गेंदबाजों को बेबस कर दिया और उन्हें कोई मौका नहीं दिया। नीतीश राणा भी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 44 गेंदों में 11 चौकों और 4 छक्कों की मदद से ताबड़तोड़ 91 रनों की पारी खेलकर राहुल का बखूबी साथ दिया। राहुल और राणा के इस आक्रामक प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में केवल 2 विकेट खोकर 264 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

वैभव की बल्लेबाजी देखकर कमिंस भी हैरान हुए

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे 15 साल के वैभाव सूर्यवंशी आईपीएल के हर मैच के साथ ही निखरते जा रहे हैं। वैभव ने यहां के सवाई मानसिंह स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 37 गेंद में 103 रनों की पारी खेली। ये वैभव का आईपीएल में इस सत्र का दूसरा शतक है। वैभव के इस शतक की सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने भी सराहना की है।

वैभव ने जस प्रकार से इस सत में जसप्रीत बुमराह और जोश हेजलवुड जैसे तेज गेंदबालों को निशान बनाया। उसी प्रकार का व्यवहार उन्होंने कमिंस की गेंदों पर भी आक्रामक शॉट लगाये। वैभव ने कमिंस की पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। वैभव के इस अंदाज से कमिंस भी हैरान हुए बिना नहीं रहे। उन्होंने वैभव की इस प्रकार की बल्लेबाजी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस वह अब उनके सबसे पसंदीदा खिलाड़ी बन गये हैं।

कमिंस ने कहा, 'एक गेंदबाज के तौर पर आपको लगातार अच्छी गेंदबाजी करनी होती है क्योंकि अगर आप विफल रहे तो बड़ा शॉट लगना तय है। अब वैभव मेरा नया पसंदीदा खिलाड़ी बना गया है। वह अपने ही अंदाज में खेलता है।' वैभव अपनी इस पारी के साथ ही सूर्यवंशी थोड़ी देर के लिए ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष खिलाड़ियों में बने हुए हैं। वैभव के अब आठ मैच के बाद 357 रन हैं। वैभव ने सनराइजर्स के खिलाफ 36 गेंद में शतक लगाया। जो दूसरा सबसे तेज शतक है। इससे पहले उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में ही शतक लगाया था।

आईपीएल 2026: गुजरात ने सीएसके को 8 विकेट से हराया

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 37वें मुकाबले में गुजरात टाइटन्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हरा दिया। यह मुकाबला रविवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला गया। गुजरात ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और चेन्नई को 20 ओवर में 7 विकेट पर 158 रन तक सीमित रखा। जवाब में गुजरात ने 16.4 ओवर में 2 विकेट खोकर 162 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और संजू सेमसन ने पारी का आगाज किया, लेकिन संजू सैमसन सिर्फ 11 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद उर्विल पटेल 4 रन बनाकर कागिसो रबाडा का शिकार बने, जबकि सरफराज खान खाता भी नहीं खोल सके। डेवाल्ड ब्रेविस भी सिर्फ 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। एक छोर पर ऋतुराज गायकवाड़ डटे रहे और उन्होंने शानदार नाबाद 74 रन बनाए, जिसकी बदौलत चेन्नई 158 रन तक पहुंच सकी।

159 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटन्स की शुरुआत दमदार रही। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने तेज शुरुआत दी। पहला विकेट 7वें ओवर में गिरा जब शुभमन गिल 33 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद साई सुदर्शन ने मैच का रुख पूरी तरह गुजरात की ओर मोड़ दिया। उन्होंने सिर्फ 46 गेंदों में 87 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें चौकों और छक्कों की बरसात देखने को मिली।

साई ने जोस बटलर के साथ अहम साझेदारी निभाई। हालांकि 17वें ओवर में साई का विकेट गिर गया, लेकिन तब तक वह टीम को जीत के बेहद करीब पहुंचा चुके थे। बटलर ने भी उपयोगी 39 रन बनाए और गुजरात ने 20 गेंद शेष रहते मुकाबला 8 विकेट से जीत लिया।

वैभव टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

जयपुर । राजस्थान रॉयल्स के युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में शतक लगाने के साथ ही टी20 में सबसे तेजी से 1000 रन बनाने का रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। अब तक ये रिकार्ड मिचेल ओवन के नाम था। वैभव ने 473 गेंदों का सामना करते हुए अपने 1000 रन पूरे किये जबकि ओवन ने 533 गेंदों में 1000 रन बनाये थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 200 से कहीं अधिक रहा है। सबसे अधिक तेजी से 1000 रन बनाने के मामले में तीसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर एंड्रयू साइमंड्स हैं। उन्होंन 558 गेंदों पर 1000 रन बनाये थे। हैदराबाद के खिलाफ खेली गई अपनी ऐतिहासिक पारी में, वैभव ने केवल 36 गेंदों पर ही शतक पूरा किया। वैभव का टी20 करियर अब तक बेहद शानदार रहा है। घरेलू, अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल सहित कुल 26 टी20 मुकाबलों में, उन्होंने 42.32 की प्रभावशाली औसत और 213.73 के स्ट्राइक रेट से अब तक कुल 1058 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम चार शतक दर्ज हैं। वहीं उनके नाम 94 छक्के भी हैं। साथ जल्द ही 100 छक्कों का आंकड़ा पार करने के करीब हैं। आईपीएल में भी उन्होंने अपनी छाप छोड़ी है, जहां 15 मैचों में 40.60 की औसत और 222.26 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से कुल 609 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

धोनी अपनी वापसी के लिए टीम में बदलाव नहीं चाहते

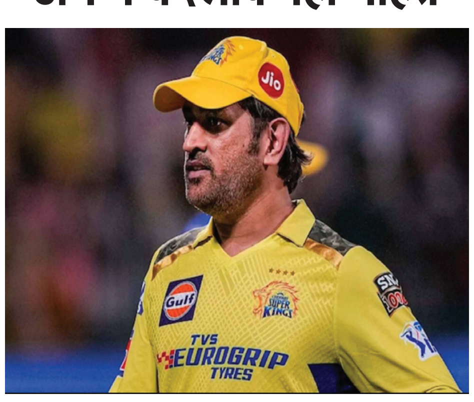

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पूरी तरह से फिट होने के बाद भी अभी टीम संयोजन में बदलाव नहीं चाहते हैं इसलिए वह अभी टीम में वापसी नहीं करना चाहते हैं। शुरुआत में सीएसके प्रबंधन ने कहा था कि धोनी कुछ हफ्तों में वापसी करेंगे। उनकी पिंडली की चोट को लेकर दो हफ्ते का समय दिया गया था पर धोनी अब तक मैदान पर नहीं लौटे हैं। टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने धोनी की फिटनेस को लेकर कहा था कि धोनी के लिए सबसे बड़ी चुनौती उनकी पिंडली की चोट है, खासकर रन लेते समय उन्हें परेशानी होती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, धोनी पूरी तरह फिट हो गये हैं पर वह अपनी वापसी में देरी कर रहे हैं। धोनी ने टीम प्रबंधन को यह साफ कर दिया है कि केवल उन्हें टीम में शामिल करने के लिए संजोजन न बदला जाए। यह भी साफ है कि सीएसके प्रबंधन पने उन्हें मैदान पर उतारने की कोई जल्दी में नहीं है। मुख्य कोच कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा, वह अच्छी प्रगति कर रहे हैं। वह उबर रहे हैं और जो भी उनसे कहा जा रहा है, वह सब कर रहे हैं। अभी टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर संजू सैमसन अच्छा प्रदर्शन कर रहे है और धोनी भी किसी युवा खिलाड़ी की जगह लेने के लिए तैयार नहीं दिखते।

एक ही दिन में तीन-तीन बल्लेबाजों को मिली ऑरेंज कैप

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र में हर मुकाबले के बाद ऑरेंज कैप के दावेदारों में बदलाव आता रहा है पर शनिवार को एक ही दिन में तीन-तीन दावेदार सामने आ गये। दिन की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली 328 रनों के साथ पहले ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष पर थे पर कुछ ही देर में उनकी जगह पर अन्य दावेदार आ गये। वहीं कोहली पांचवे स्थान पर खिसक गये। इस प्रकार एक ही दिन में कुल तीन अलग-अलग खिलाड़ियों ने ऑरेंज कैप पर अपने नाम की पर अंत में सनराइजर्स के अभिषेक शर्मा शीर्ष पर आ गये। दिन का पहला मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच हुआ था। इस मैच के बाद दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल 152 रनों की नाबाद आक्रामक पारी खेलकर पहले नंबर पर पहुंच गये। इस शानदार पारी के बाद राहुल के नाम 7 पारियों में 59.50 की औसत और 187.89 के स्ट्राइक रेट के साथ कुल 357 रन हो गए।

राहुल अधिक देर तक टिके नहीं रह पाये। कुछ ही समय के बाद वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 103 रनों की आक्रामक पारी खेलकर ऑरेंज कैप अपने नाम कर ली। कब्जा जमा लिया। उनकी इस पारी में 5 चौके और 12 छक्के शामिल थे। इससे वैभव सूर्यवंशी कुल 357 रनों पर पहुंच गये और राहुल से बेहतर स्ट्राइक रेट होने के कारण नंबर एक पर पहुंच गये। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अंत में ऑरेंज कैप की रेस में नंबर एक स्थान हासिल कर लिया। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उन्होंने केवल 29 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्का लगाकर 57 रन बना दिये। इसी के साथ आईपीएल 2026 में उनके नाम सबसे अधिक 380 रन हो गए। वहीं इसी मैच में हेनरिक क्लासेन ने भी 29 रन बनाये और वह 349 रन पहुंचे जिसेस कोहली पांचवे नंबर पर खिसक गये।

पूर्व कोच ने किया खुलासा : केकेआर ने क्यों छोड़ा कप्तान श्रेयस अय्यर को?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा खिताब जीतने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर को रिलीज करने का फैसला लंबे समय से क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब टीम के पूर्व कोच चंद्रकांत पंडित ने इस निर्णय के पीछे की वजहों पर खुलकर बात की है। पंडित ने स्पष्ट किया है कि अय्यर को टीम से रिलीज करना किसी व्यक्तिगत कारण से नहीं लिया गया फैसला था।

चंद्रकांत पंडित ने बताया, हम उनसे चूक गए। श्रेयस एक शानदार खिलाड़ी हैं और उन्होंने कप्तान के तौर पर टीम को खिताब जिताया। लेकिन कई बार परिस्थितियां और टीम की रणनीति ऐसे फैसले लेने पर मजबूर कर देती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कोई जानबूझकर किया गया फैसला नहीं था, बल्कि चीजें टीम की उम्मीदों के मुताबिक नहीं चलीं। पंडित ने आगे कहा कि टीम चयन में कई पहलुओं को ध्यान में रखना पड़ता है, और कभी-कभी बड़े और कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं, जो बाहर से देखने पर अलग लगते हैं। उन्होंने फिल सॉल्ट जैसे अन्य खिलाड़ियों का भी उदाहरण दिया, जिन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई, जबकि वे भी बेहतरीन खिलाड़ी हैं। पंडित ने कहा कि टीम सभी खिलाड़ियों की सराहना करती है। केकेआर से रिलीज होने के बाद, पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर को 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा। उनकी कप्तानी में टीम ने आईपीएल 2025 का फाइनल खेला और आईपीएल 2026 में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है, जिससे उनके नेतृत्व कौशल और बल्लेबाजी क्षमता की फिर से पुष्टि हुई है। पंडित ने अय्यर के भारतीय टीम में चयन पर भी अपना बयान दिया। उन्होंने कहा, भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। टीम बनाते समय अनुभव और युवा खिलाड़ियों के बीच संतुलन बनाना होता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर खिलाड़ी को मौका देना आसान नहीं होता, क्योंकि कई बार एक ही स्थान के लिए बराबरी के कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी उपलब्ध होते हैं। हालांकि, पंडित ने अय्यर की वापसी पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा, उनकी मौजूदा फॉर्म और आत्मविश्वास दिखाता है कि वह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह खेल को जीतने के इरादे से खेलते हैं और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

कार्लोस अल्काराज़ को बड़ा झटका : चोट के चलते फ्रेंच ओपन से बाहर

नई दिल्ली । स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ को एक बड़ा झटका लगा है। कलाई की चोट के कारण वे अगले महीने होने वाले फ्रेंच ओपन से बाहर हो गए हैं, जिससे उनका लगातार तीसरा खिताब जीतने का सपना टूट गया है। यह चोट उन्हें पिछले हफ्ते बार्सिलोना ओपन के दौरान दाहिने हाथ की कलाई में लगी थी। प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें आराम की सलाह दी, जिसके बाद उन्होंने न केवल फ्रेंच ओपन, बल्कि इटालियन ओपन से भी हटने का मुश्किल फैसला लिया है। दोनों ही टूर्नामेंट क्ले कोर्ट पर खेले जाते हैं, जो अल्काराज़ का पसंदीदा सर्फेस माना जाता है और जहां वे आमतौर पर शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अल्काराज़ ने इस दुखद खबर की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, आज हुए टेस्ट के बाद हमने सावधानी बरतने का फैसला किया है। इसलिए, जब तक हम मेरी स्थिति का पूरी तरह से आकलन नहीं कर लेते, मैं रोम और रोलां गैरोस में हिस्सा नहीं लूंगा। उन्होंने आगे कहा, यह मेरे लिए बेहद मुश्किल समय है, लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि मैं और अधिक मजबूती के साथ वापसी करूंगा। यह बयान उनकी निराशा और दृढ़ संकल्प दोनों को दर्शाता है, लेकिन प्रशंसकों के लिए यह खबर किसी झटके से कम नहीं है। 22 वर्षीय अल्काराज़ इस साल शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर की थी, जिससे वे करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। उनकी इस चोट ने उनके बेहतरीन प्रदर्शन पर अस्थायी रूप से विराम लगा दिया है। हाल ही में उन्होंने विश्व नंबर-1 की रैंकिंग जैनिक सिनर से गंवा दी थी। अब लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहने से उनकी रैंकिंग पर और असर पड़ने की आशंका है। जैनिक सिनर ने अल्काराज़ की चोट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, यह बहुत दुखद खबर है। इतनी कम उम्र में हमें अपने शरीर का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। उम्मीद है कि वे जल्द वापसी करेंगे और हम एक बार फिर शानदार मुकाबले देख पाएंगे। इस चोट से फ्रेंच ओपन की रौनक कुछ फीकी जरूर पड़ गई है, लेकिन टेनिस जगत को उनके शीघ्र स्वस्थ होने की उम्मीद है।

बैडमिंटन में नए स्कोरिंग सिस्टम को मंजूरी, बीडब्ल्यूएफने की घोषणा

हॉर्सेंस (डेनमार्क) (एजेंसी)। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) के सदस्यों ने 3315 स्कोरिंग सिस्टम को अपनाने की मंजूरी दे दी है। खेल की विश्व शासी संस्था ने घोषणा की कि यह नया फॉर्मेट 4 जनवरी 2027 से लागू होगा। BWF ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि यह प्रस्ताव डेनमार्क के हॉर्सेंस में आयोजित BWF की 87वीं वार्षिक आम बैठक में डाले गए वोटों के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत से पारित किया गया।

BWF की अध्यक्ष खुनयिंग पटामा लीस्वाड्ट्राकुल ने कहा कि यह फैसला बैडमिंटन के भविष्य के लिए एक अहम मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, 'हम एक ऐसा खेल तैयार कर रहे हैं जो अगली पीढ़ी से जुड़ा हो, और साथ ही हम अपने खिलाड़ियों के लंबे समय के भविष्य में निवेश करना जारी रखेंगे।' BWF के अनुसार 3315 स्कोरिंग सिस्टम का मकसद बैडमिंटन को और ज़्यादा रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाना, मैच के समय को बेहतर बनाना, मैच की अवधि को ज्यादा एक जैसा रखना, और खिलाड़ियों की भलाई और रिकवरी के लिए संभावित फायदे लाना है।

लीस्वाड्ट्राकुल ने कहा कि इस फॉर्मेट का मकसद मैचों में शुरू में ही ज्यादा दबाव वाले पल लाकर, स्कोर को और ज्यादा करीबी और मैच के अंत को और ज्यादा नाटकीय बनाना है, जिससे प्रशंसक पहली रैली से लेकर आखिरी रैली तक खेल से जुड़े रहें। फेडरेशन ने बताया कि यह फैसला ज्यादा के सदस्यों और हितधारकों के साथ लंबे समय तक चले परीक्षण, विश्लेषण और परामर्श की प्रक्रिया के बाद लिया गया है।

कैसे काम करेगा 3315 स्कोरिंग सिस्टम

यह फैसला पिछले दो दशकों में बैडमिंटन में स्कोरिंग से जुड़ा सबसे बड़ा सुधार है। नए 3315 स्कोरिंग सिस्टम के तहत, मैच अभी भी तीन गेमों में से सर्वश्रेष्ठ के आधार पर खेले जाएंगे। हर गेम वह पक्ष जीतेगा जो सबसे पहले 15 अंकों तक पहुंचता है, बशर्ते उसके पास दो अंकों की बढ़त हो।

मौजूदा स्कोरिंग सिस्टम के तहत बैडमिंटन मैच आम तौर पर तीन गेमों में से सर्वश्रेष्ठ के आधार पर खेले जाते हैं। हर गेम वह पक्ष जीतता है जो सबसे पहले 21 अंकों तक पहुंचता है, बशर्ते उसके पास दो अंकों की बढ़त हो; हालाँकि, अगर स्कोर 29-29 पर पहुंच जाता है, तो 30वां अंक बनाने वाला पक्ष गेम जीत जाता है। जो भी टीम रैली जीतती है, उसे एक पॉइंट मिलता है- चाहे सर्विस किसी भी टीम ने की हो। मौजूदा 3321 रैली-पॉइंट स्कोरिंग सिस्टम 2006 में शुरू किया गया था। इसने पहले के 15-पॉइंट वाले फॉर्मेट की जगह ली, जिसमें पॉइंट सिर्फसर्विस करने वाली टीम को ही मिलते थे।

एनगिडी अब पहले से बेहतर, जल्द वापसी करेंगे : वेणुगोपाल

नई दिल्ली । पंजाब किंग्स के खिलाफ (आईपीएल) में चोटिल हुए दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी अब ठीक हैं और उनके शीघ्र ही लीग में वापसी करने की संभावना है। एनगिडी को फील्डिंग करते समय सिर में गंभीर चोट लग गई थी। पंजाब के बल्लेबाज प्रियांश आर्य का कैच पकड़ने के प्रयास में पीछे गिर गए और उनका सिर जमीन से टकरा गया था, जिसके बाद उन्हें तत्कालल एंबुलेंस से मैक्स अस्पताल ले जाया गया। इस घटना के कारण खेल लगभग 15 मिनट तक रुका रहा। वहीं अब कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव ने बताया है कि एनगिडी की चोट गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि वह अभी भी अस्पताल में हैं हालांकि उम्मीद है कि वह वह जल्दी ही ठीक होकर लीग में वापस कर सकते हैं। राव ने खिलाड़ियों की सुरक्षा को सबसे महत्वपूर्ण बताया। वहीं कन्कशन सब्स्टीट्यूशन को लेकर वेणुगोपाल ने कहा है कि नियमों के अनुसार सिर्फ चार विदेशी खिलाड़ी ही खेल सकते हैं, इसलिए दुश्मंथा चमीरा की जगह विप्रज निगम को लाया गया। पंजाब किंग्स के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल साथ ही कई खिलाड़ियों ने एनगिडी के जल्द ठीक होने की कामना करते कहा था कि सिर की चोट कई बार खतरनाक बन जाती है।

अफेयर की चर्चाओं के बीच धनुष की फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी मृणाल!

पिछले साल मृणाल ठाकुर और धनुष के रिश्ते को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही थीं। यहां तक कि दोनों की शादी तक कीं अफवाहें बी-टाउन की गलियों में फैली थीं। हालांकि, मृणाल ने कई बार इन्हें अफवाहें बताकर खारिज किया। अब एक बार फिर मृणाल और धनुष चर्चाओं में हैं, लेकिन इस बार वजह पर्सनल नहीं बल्कि प्रोफेशनल है। चर्चाएं हैं कि मृणाल ठाकुर धनुष के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में प्रमुख भूमिका में नजर आ सकती हैं।

धनुष करेंगे फिल्म का निर्देशन

इंडिया टुडे में छपी एक खबर के मुताबिक, एक महिला प्रधान फिल्म पर काम चल रहा है और मृणाल ठाकुर को मुख्य भूमिका के लिए चुना जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में महिला मुख्य कलाकार के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका होगी और बातचीत अंतिम चरण में है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ अन्य खबरों के अनुसार, धनुष इस फिल्म का निर्देशन कर सकते हैं, जो 1960 या 1970 के दशक पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी। आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी तक मेकर्स की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

उड़ी थीं मृणाल और धनुष के अफेयर की खबरें

धनुष और मृणाल ठाकुर के बारे में अफवाहें पिछले साल अगस्त 2025 से फैलनी शुरू हुई थीं। जब दोनों को मृणाल की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के प्रीमियर पर एक साथ देखा गया। इससे पहले धनुष की फिल्म 'तेरे इश्क में' की रैप पार्टी में भी मृणाल ठाकुर की मौजूदगी ने सबका ध्यान खींचा था। सोशल मीडिया पर धनुष के परिवार के सदस्यों को फॉलो करते हुए मृणाल के देखे जाने के बाद अटकलें और तेज हो गईं। बाद में मृणाल ठाकुर ने अपनी फिल्म 'दो दीवाने शहर में' के प्रमोशन के दौरान अपनी शादी की अफवाहों को खारिज किया था। उन्होंने इन चर्चाओं को सिर्फ अफवाह बताया था।

इस फिल्म में नजर आएंगे धनुष

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल हाल ही में आदिवी शेष के साथ फिल्म 'डकैत' में नजर आईं। इस एक्शन रोमांटिक ड्रामा को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं और बॉक्स ऑफिस पर इसकी शुरुआत धीमी रही। वहीं धनुष अपनी अगली फिल्म 'कारा' की तैयारी में जुटे हैं, जो 1991 के खाड़ी युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। यह फिल्म 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

एक्टिंग नहीं छोड़ रहे हैं करण वाही

टीवी से वेब सीरीज का सफर तय करने वाले अभिनेता करण वाही 'रीमिक्स', 'दिल मिल गए', 'नेवर किस योर बेस्ट फ्रेंड' (सीजन 2) और 'चन्ना मेरेया' जैसे कई शो में अभिनय करने के बाद घर-घर में मशहूर हो गए। हाल ही में उन्होंने अपने आध्यात्मिक सफर और जीवन में कुछ देर बाद अपने विश्वासों तक पहुंचने के बारे में खुलकर बात की। सोशल मीडिया पर उनके ये बयान वायरल होने के बाद कई लोगों ने कयास लगाए कि करण अभिनय पूरी तरह छोड़ने वाले हैं। चर्चाओं के बढ़ने के बाद अब अभिनेता ने इसके पीछे की सच्चाई बताई है।
करण वाही ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट का जवाब दिया, जिसे बाद में हटा दिया गया था। उस पोस्ट में कहा गया था कि अभिनेता ने आध्यात्मिकता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अभिनय से दूरी बनाने का फैसला किया है। इस पोस्ट को स्टोरी पर साझा करते हुए करण ने कैप्शन में लिखा, 'आध्यात्मिक होने का मतलब यह नहीं है कि मुझे अपना काम छोड़ना होगा। कृपया वायरल होने के लिए अफवाहें न फैलाएं। संबंधित व्यक्ति से अनुरोध है कि इस पोस्ट को हटा दें और झूठ न फैलाएं। धन्यवाद।'
वर्कफ्रंट की बात करें तो करण वाही को हाल ही में सोनी लिव पर स्ट्रीम करने वाली रोमांटिक थ्रिलर सीरीज 'रायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी' (2024) में देखा गया था।

घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं अकेलापन महसूस करने लगी थी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री मालविका मोहनन अक्सर अपनी फिल्मों और ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में रहती हैं। लेकिन, चमकती दुनिया के पीछे कलाकारों की जिंदगी में कई बार ऐसा अकेलापन भी होता है, जिसके बारे में लोग कम ही जानते हैं। हाल ही में मालविका ने अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की और बताया कि एक समय ऐसा आया था, जब वह अंदर से काफी टूट गई थीं। उन्होंने बताया कि परिवार और अपनों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। दरअसल, मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन रखा था। इस दौरान फैंस ने उनसे कई निजी और प्रोफेशनल सवाल पूछे। इसी बीच एक फैन ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने कहा, ''पिछले महीने मैं काम के सिलसिले में चेन्नई में थीं। वहां मुझे लंबे समय तक रुकना पड़ा था। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी ठीक चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थीं।''
उन्होंने कहा, ''दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद जब मैं रात में अपने होटल के कमरे में लौटती थीं, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यही चीज मुझे अंदर से परेशान करने लगी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी। लगातार अकेले रहने का असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसके वजह से मुझे रोना आता था।''
अपने निजी अनुभव साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं। मालविका ने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने बताया कि इस फिल्म का नाम 'पॉकेट नॉवेल' है और यह इसी साल रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, ''इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए खास अनुभव रहा है।''

जैकी भगनानी न रकुल प्रीत सिंह से शादी के कारणों आपसी बॉन्डिंग को लेकर बात की

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी बी-टाउन के क्यूट कपल में से एक हैं। दोनों अक्सर साथ में कपल गोल देते रहते हैं। हाल ही में जैकी भगनानी ने अपने रिश्ते को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि शादी के बावजूद वह अपने रिश्ते को सिचुएशनशिप की तरह मानते हैं। साथ ही जैकी ने आपस की बॉन्डिंग को लेकर भी बात की। हाल ही में जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह ने शादी के कारणों और अपने रिश्ते में आए बदलावों के बारे में बात की। जैकी ने बताया कि हमने एक-दूसरे से कहा कि अब हम 20-21 साल के नहीं हैं। हम दोनों ने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से खुशमिजाज इंसान हूं। मैं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश नहीं कर रहा जो मेरे जीवन की कमी को पूरा कर सके, क्योंकि अगर मैं उदास रहूंगा, तो चाहे कोई भी मेरे जीवन में आए, मैं उदास ही रहूंगा। तुम भी व्यक्तिगत रूप से खुश हो। साथ में हम और भी खुश हैं। इस पर रकुल ने कहा कि वे एक-दूसरे के जीवन की कमी को पूरा कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि तुम मुझे छुट्टी पर नहीं ले गए, इसलिए मैं दुखी हूं। मैं अकेले भी छुट्टी पर जा सकती हूं। मुझे लगता है कि जीवन में बात करने के लिए और भी महत्वपूर्ण बातें हैं।
इस दौरान जैकी ने कहा कि रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हमारा रिश्ता एक तरह का सिचुएशनशिप है। इसका मतलब है कि हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं, क्योंकि शादी इसी वजह से हुई है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं उससे हर बात खुलकर कह सकता हूं। अगर रकुल के आस-पास होने पर मेरी कोई एक्स गर्लफ्रेंड मुझे फोन करती है, तो मैं स्पीकरफोन पर बात करने में जरा भी संकोच नहीं करता। यह जताते हुए कि मैं अपनी पत्नी से कुछ भी नहीं छिपाता। मैं कुछ भी नहीं छिपाता, इसलिए मुझे घुटन महसूस नहीं होती।

अपना काम ईमानदारी से करना ही हीरोइज़्म है

थिएटर की दुनिया से मनोरंजन जगत में आए विजय वर्मा के लिए एक्टिंग की राह बिलकुल भी आसान नहीं थी। अपने हिस्से का संघर्ष तो उन्हें भी करना ही पड़ा। छोटी-छोटी भूमिकाओं के बाद जब उन्हें मेन रोल मिले, तो उन्होंने अपनी एक्टिंग और परफॉर्मेंस से खास जगह बना ली। 'दहाड़' का साइको किलर हो या 'गुस्ताख इश्क' का शायर आशिक, विजय अपनी भूमिकाओं को यादगार बनाते चले गए हैं। 'गली बॉय' के विजय आज मेकर्स की पसंद बन चुके हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई सीरीज 'मटका किंग' से। हाल ही में सोशल मीडिया पर विजय वर्मा की शादी को लेकर एक बार फिर चर्चा होने लगी है। हमने उनसे पूछा कि सलमान खान के बाद अब आपकी शादी की फिक्र कर रहे हैं लोग। आपकी मम्मी भी आपके पास आई हुई हैं, क्या शादी को लेकर पारिवारिक दबाव है? इस पर वह हंस देते हैं और कहते हैं, 'बिलकुल। मेरी मम्मी भी शादी को लेकर मेरे पीछे पड़ी रहती हैं, मगर अब वह बोल-बोल कर थक चुकी हैं। अब ज्यादा बोलती नहीं। जहां तक सलमान साहब की बात है, तो जब वह शादी कर लेंगे, तो मैं उसके बाद कर लूंगा।'
सीरीज हो या फिल्में आज नायक की परिभाषा बदल गई है। विजय वर्मा जैसे कलाकारों ने अपनी अभिनय अदायगी से अपने किरदारों के जरिए अपनी पहचान बनाई है। हीरोइज़्म को परिभाषित करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे लिए हीरोइज्म वो है, जो खुद के हित के लिए नहीं बल्कि बड़े हित के लिए काम करे। जैसे मेरे अलावा किसी और का भी भला हो। मैं मानता हूं कि अपना काम भी ईमानदारी से करना भी हीरोइज़्म है। जैसे मेसी जब फुटबॉल खेल रहा होता है, तो पूरी दुनिया उसके लिए गायब हो जाती है और उसका पूरा ध्यान अपने खेल में होता है। जिस नशे और पागलपन से वह अपनी बॉल को गोल तक ले जाता है, वह भी तो एक तरह का हीरोइज्म है।'

कट्टरपंथी हवा से लोग दबा-कुचला महसूस करते हैं

विजय मानते हैं कि कट्टरपंथ के कारण लोग प्रभावित हो रहे हैं। वह कहते हैं, 'मुझे नहीं लगता इंडस्ट्री में टॉक्सिसिटी है। मगर हां इन दिनों एक एंटी वोक (कट्टरपंथी) सेंटिमेंट खूब चल रहा है। इसके कारण लोग बहुत ही दबा-कुचला हुआ महसूस कर रहे हैं कि क्या बोलें, क्या करें और क्या न करें? क्या सोचें, क्या न सोचें? उसका एक प्रतिशोध मैं महसूस कर रहा हूं न सिर्फ इंडिया में बल्कि पूरी दुनिया में। दूसरे देश में एक ऐसे लीडर भी बैठे हैं, जो इसे रीप्रेजेंट भी करते हैं। मुझे लगता है, समाज में जो चल रहा है, उसी का रिफ्लेक्शन आपको फिल्मों मिलेगा।'

इंडस्ट्री में अनिश्चितता है टॉक्सिसिटी नहीं

हाल ही में एक अवॉर्ड शो में एक जाने -माने स्टैंड-अप कॉमेडियन ने अपने 'धुरंधर' जोक से इंडस्ट्री की भीतरी ईर्ष्या पर तंज किया। पिछले दिनों भी इंडस्ट्री में टॉक्सिसिटी को लेकर खूब बहस चली। अनुराग कश्यप जैसे निर्देशक तो मुंबई से शिफ्ट ही हो गए। इस मुद्दे पर विजय कहते हैं, 'मुझे लगता है अनसर्टेनिटी है, डर है कि क्या चलेगा क्या नहीं क्योंकि स्टेक्स बढ़ गए हैं। मुझे याद है एक समय में तीन-चार करोड़ में स्मॉल बजट फिल्म बन जाती थी। आज की तारीख में मैं जब प्रोड्यूसर से बात करता हूं, तो छोटे बजट की फिल्मों की बात 15-20 करोड़ तक जाती है। अब इसमें मार्केटिंग और पीएनए को जोड़ दिया जाए, तो फिल्म का बजट 30-35 करोड़ तक चला जाता है। आज फिल्म निर्माण का गणित अचानक से बदल गया है। उस हिसाब से कुछ कॉन्सेप्ट्स ऐसे हैं नहीं, जिन पर इतना खर्च किया जाए, पर करना पड़ रहा है। कुछ सब्जेक्ट्स ऐसे हैं, जिन पर काफी खर्च करना पड़ेगा, मगर उनकी रिकवरी की गारंटी नहीं है। इन मुद्दों के कारण अनिश्चितता बढ़ जाती है।'

संक्षिप्त समाचार

नेपाल सरकार ने कर्मचारियों को तीन महीने तक विदेश यात्रा पर न जाने का निर्देश दिया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने आगामी तीन महीनों तक किसी भी कर्मचारी को विदेश यात्रा पर न जाने का निर्देश दिया है। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद् कार्यालय ने मंत्रालयों, आयोगों और सभी संबंधित निकायों को पत्र भेजकर इस व्यवस्था को लागू करने को कहा है। सरकार के गत 28 मार्च के निर्णय के अनुसार स्वीकृत प्रशासनिक सुधार से संबंधित 100 कार्यसूचियों को उच्च प्राथमिकता के साथ लागू किया जा रहा है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह निर्देश जारी किया है। निर्देश में कहा गया है कि कर्मचारियों के विदेश दौरे पर जाने से सरकार की 100 कार्यसूचियों के कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न हो सकती है, इसलिए अगले तीन महीनों तक किसी भी कर्मचारी को वैदेशिक भ्रमण के लिए नामांकित न करने का अनुरोध किया गया है।

लुइसियाना मॉल गोलीबारी: पुलिस ने एक शख्स को किया गिरफ्तार, दूसरा फरार

लुइसियाना, एजेंसी। लुइसियाना के अधिकारियों ने एक 17 वर्षीय लड़के पर हत्या का आरोप लगाया है और वे एक अन्य संदिग्ध की तलाश कर रहे हैं। गुरुवार को बैटन रूज के एक मॉल में हुई गोलीबारी में राहगीर भी फंस गए थे, जिसमें एक किशोरी की मौत हो गई थी। शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान, लुइसियाना के गवर्नर जेफ लैंड्री ने राजधानी शहर को त्रस्त करने वाली गिरोह हिंसा पर नकेल कसने का संकल्प लिया। अपराध के प्रति सख्त रुख रखने वाले राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने एफबीआई निदेशक काश पटेल से बात की है और उन्होंने इस मुद्दे से निपटने के लिए राज्य, स्थानीय और संघीय संसाधनों का उपयोग करने का वादा किया है और कहा है कि इसके परिणाम 'तुरंत महसूस होने लगेंगे'।

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से मिले कोलंबियाई नेता

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने शुक्रवार को काराकास के मिराफ्लोरेस राष्ट्रपति भवन में कोलंबियाई राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो का स्वागत किया। जनवरी में अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को उनके घर से गिरफ्तार किए जाने के बाद यह उनकी पहली मुलाकात थी। नेताओं से प्रवासन, रक्षा, सीमा सुरक्षा, औद्योगिक सहयोग और व्यापार सहित एक व्यापक द्विपक्षीय एजेंडा पर चर्चा करने की उम्मीद थी। पेट्रो और रोड्रिगेज की पिछले महीने अपनी साझा सीमा पर मुलाकात होने की उम्मीद थी, लेकिन उनकी संबंधित सरकारों ने अचानक 'अप्रत्याशित घटना' का हवाला देते हुए बैठक रद्द कर दी, जिसका उन्होंने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया और बस इतना कहा कि यह बाद में होगी। शुक्रवार की बैठक से पहले, पेट्रो ने घोषणा की कि उनका प्रतिनिधिमंडल, जिसमें शीर्ष सैन्य और पुलिस अधिकारी शामिल हैं, रोड्रिगेज के साथ सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा करेगा।

खाड़ी युद्ध के चलते पश्चिम एशिया से अब तक 30 हजार नेपाली नागरिक स्वदेश लौटे

काठमांडू, एजेंसी। इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से पश्चिम एशिया से 30 हजार नेपाली स्वदेश लौट चुके हैं युद्ध के बाद नेपाल सरकार ने नेपाली नागरिकों के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया था। इस पोर्टल पर अब तक 87 हजार 819 लोगों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। नियमित पत्रकार सम्मेलन में शुक्रवार को विदेश मंत्रालय के सहसचिव रामजी खड्का ने बताया कि अब तक करीब 30 हजार नेपाली स्वदेश लौट चुके हैं। हालांकि, उनका कहना है कि यह नहीं कहा जा सकता कि सभी लोग केवल युद्ध से प्रभावित होकर ही लौटे हैं। उन्होंने कहा कि केवल कतर से ही 21 से 22 हजार नेपाली वापस आए हैं। उन्होंने बताया कि शुरुआती चरण में 7 हजार से अधिक लोगों ने पोर्टल पर अपना नाम दर्ज कराया था, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य होने के साथ तत्काल उद्धार की मांग करने वालों की संख्या घट गई। युद्ध के बाद ईरान ने खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे। इन देशों में रह रहे 17 लाख से अधिक नेपाली नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने ऑनलाइन पोर्टल संचालन में लाया था। युद्ध के बाद सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर सहित कुछ देशों में नेपाली श्रमिकों को समस्याओं का सामना करना पड़ा था। कुछ कंपनियों ने श्रमिकों को छुट्टी भी दी थी। विदेश मंत्रालय के आकलन के अनुसार फिलहाल होटल, रेस्टोरेंट और सेवा क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। युद्ध के बाद पर्यटकों की आवाजाही रुकने से ये क्षेत्र प्रभावित हुए। हालांकि, इन क्षेत्रों में काम कर रहे नेपाली श्रमिकों ने अब तक किसी प्रकार की औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है कि उन्हें काम नहीं मिल रहा है या वे गंभीर समस्या में हैं।

चीन की चुनौतियों के बीच अमेरिकी कमांडर ने कहा-

'इंडो-पैसिफिक रणनीति के लिए भारत अहम'

05

वाशिंगटन, एजेंसी।

भारत, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन का मुकाबला करने की अमेरिकी रणनीति में एक अहम स्तंभ के तौर पर उभर रहा है। अमेरिकी सेना के शीर्ष नेतृत्व ने भारत के साथ बढ़ते रक्षा संबंधों और तालमेल को खास तौर पर रेखांकित किया है। अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के प्रमुख एडमिरल सैमुअल जॉन पपारो ने इस हफ्ते सांसदों से कहा कि भारत के साथ संबंध उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने इस रिश्ते को लगातार ऊपर की ओर बढ़ता हुआ बताया और इसे अपनी सबसे सक्रिय सैन्य साझेदारियों में से एक कहा। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई, जब वाशिंगटन चीन की बढ़ती सैन्य ताकत पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए क्षेत्रीय साझेदारों के साथ संबंधों को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। पपारो ने कहा कि 'मेजर डिफेंस पार्टनरशिप' (प्रमुख रक्षा साझेदारी) ढांचे के तहत, अमेरिका-भारत सुरक्षा संबंधों में लगातार जटिल होते जा रहे सैन्य अभ्यासों, रक्षा सौदों और रणनीतिक बातचीत के जरिए जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली है।

उन्होंने समुद्री सुरक्षा और पानी के नीचे की गतिविधियों की जानकारी जैसे क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग की ओर इशारा किया। इसमें विदेशी सैन्य बिक्री के जरिए भारत की ओर से एमक्यू-9बी ड्रोन खरीदने की योजना भी शामिल है। पपारो ने भारत को इस क्षेत्र में स्थिरता लाने वाली ताकत बताया। उन्होंने कहा कि भारत दक्षिण एशिया के भीतर स्थिरता का एक स्रोत बना हुआ है। साथ ही, हिंद महासागर क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारियों और रक्षा सहयोग को भी मजबूत कर रहा है।

उन्होंने भारत की बढ़ती क्षेत्रीय भूमिका का भी जिक्र किया। इसमें श्रीलंका में किया गया निवेश और मॉरीशस के साथ किए गए समझौते शामिल हैं, जिनका मकसद समुद्री सहयोग को बढ़ावा देना और यह सुनिश्चित करना है कि रणनीतिक बुनियादी ढांचा विरोधी ताकतों के प्रभाव से मुक्त रहे।

इंडो-पैसिफिक कमांडर ने 'क्वाड' जैसे बहुपक्षीय समूहों में भारत की भागीदारी को भी रेखांकित किया। इस समूह में भारत के साथ-साथ अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। यह समुद्री सुरक्षा तथा लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में सहयोग का विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा, 'मालाबार जैसे सैन्य अभ्यास, जिनमें ये चारों देश शामिल होते हैं, इस क्षेत्र में आपसी तालमेल बनाने और संयुक्त सैन्य क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिहाज से बेहद अहम बन गए हैं।'

पपारो ने कहा कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अमेरिका की रणनीति का मूल आधार उसकी साझेदारियां हैं। उन्होंने इन गठबंधनों और साझेदारियों को वाशिंगटन का सबसे बड़ा असंतुलित लाभ बताया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को पाकिस्तान के साथ लगातार तनाव का सामना करना पड़ता है और हाल के सैन्य टकराव पारंपरिक रूप से विवादित क्षेत्रों से आगे तक फैल गए हैं। इसके बावजूद, उन्होंने कहा कि भारत का मुख्य ध्यान इस पूरे क्षेत्र में अपनी निवारक क्षमता और विश्वसनीय युद्धक क्षमता को बनाए रखने पर केंद्रित है।

हालांकि, इंडो-पैसिफिक कमांडर ने चेतावनी दी कि चीन की हरकतें और रूस व उत्तर कोरिया के साथ उसके गहरे होते संबंध, क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक जटिल चुनौती पेश करते हैं।

इंडो-पैसिफिक कमांडर के अलावा, अमेरिकी सांसदों ने भी बीजिंग के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए भारत के साथ साझेदारी को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया। प्रतिनिधि एडम स्मिथ ने कहा कि इस क्षेत्र में प्रतिरोध और विश्वसनीयता के लिए गठबंधन बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा, 'हमें उन संबंधों को बनाए रखने की जरूरत है। हमें उन लोगों को यह बताने की जरूरत है कि हम उनके साथ हैं और वे हम पर भरोसा कर सकते हैं।'

गौरतलब है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन गया है, क्योंकि चीन अपने सैन्य आधुनिकीकरण की गति बढ़ा रहा है और पूरे क्षेत्र में अपनी मौजूदगी का विस्तार कर रहा है।

ईरान की हरकतों की वजह से होर्मुज स्ट्रेट में खतरा बढ़ा : पीट हेगसेथ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर अब भी बड़ा खतरा बना हुआ है, हालांकि सीमित स्तर पर आवाजाही जारी है। अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ वॉर पीट हेगसेथ ने कहा कि इस अहम समुद्री रास्ते से जहाज अभी भी गुजर रहे हैं, लेकिन हालात पहले से ज्यादा खतरनाक हो गए हैं। उन्होंने पेंटागन में हुई एक ब्रीफिंग में कहा कि यातायात हो रहा है, लेकिन यह उतना नहीं है जितना लोग चाहते हैं और इसमें पहले से ज्यादा जोखिम है।

हेगसेथ ने कहा कि यह खतरा ईरान की गतिविधियों की वजह से बढ़ा है, जिसमें तेज रफ्तार वाली छोटी नावों का इस्तेमाल और व्यापारिक जहाजों को धमकाना शामिल है। ये सिर्फ कमर्शियल जहाज हैं इन्हें धमकाया जा रहा है। अमेरिका ने संभावित खतरों के खिलाफ सख्त जवाबी कार्रवाई की अनुमति दी है। खासकर अगर समुद्र में नौसैनिक बारूदी सुरंगें बिछाई जाती हैं। हेगसेथ ने कहा कि अगर ईरान पानी में माइन्स बिछाता है, तो हम बिना हिचकिचाहट उन्हें नष्ट कर देंगे।

अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने बताया कि इन खतरों पर नजर रखने और उन्हें रोकने की कोशिशें जारी हैं, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि किसी भी माइन्स को हटाने में कितना समय लगेगा।

ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने कहा कि ईरान पहले भी इस क्षेत्र में व्यापारी जहाजों पर हमला कर चुका है। ईरान ने पांच व्यापारी जहाजों पर हमला किया है और उनमें से दो को जब्त भी किया है। पेंटागन ने बताया कि अमेरिकी नौसेना ईरान से जुड़े बंदरगाहों वाले जहाजों पर सख्त रोक बनाए हुए है, जबकि बाकी जहाजों को नियंत्रित हालात में गुजरने दिया जा रहा है। हेगसेथ ने कहा कि इस कार्रवाई से आगे और हमलों की कोशिशें रुक गई हैं। उन्होंने कहा कं? इससे एक साफ संदेश गया है कि यह कोई दिखावटी नाकाबंदी नहीं है।

नेपाल जा रहे यूएस दूत सर्जियो गोर,

पीएम बालेन से मुलाकात पर सस्पेंस !

काठमांडू, एजेंसी। अमेरिका की ओर से नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह (बालेन शाह) से मुलाकात का अनुरोध किया गया है। यह अनुरोध अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खास और दक्षिण तथा मध्य एशिया के लिए विशेष दूत सर्जियो गोर के नेपाल दौरे के संदर्भ में आया है। लेकिन नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह इस मुलाकात को लेकर अभी पक्का फैसला नहीं ले पाए हैं। कारण? पीएम शाह ने स्पष्ट रूप से एक नया बेंचमार्क तय कर दिया है। वे विदेशी देशों के केवल मंत्री स्तर या उससे ऊपर के अधिकारियों से ही व्यक्तिगत मुलाकात करेंगे। मार्च में शपथ लेने के बाद से पीएम बालेन शाह ने किसी भी विदेशी राजदूत या जूनियर अधिकारी से व्यक्तिगत मुलाकात नहीं की है, भले ही कई दूतावासों ने अनुरोध किया हो। उनका कहना है कि यह बेंचमार्क विदेश नीति को मजबूत और सम्मानजनक बनाने के लिए है।

नेपाल में प्रभाव जमाने की होड़ : नेपाल में नए राजनीतिक समीकरण बनने के बाद विदेशी ताकतों, विशेषकर अमेरिका और चीन के बीच अपना प्रभाव बढ़ाने की होड़ तेज हो गई है। इसी कड़ी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दक्षिण और मध्य एशिया के विशेष दूत सर्जियो गोर 30 अप्रैल को काठमांडू के चार दिवसीय दौरे पर जा रहे हैं।

सर्जियो गोर कौन हैं और उनका दौरा क्यों अहम है? : सर्जियो गोर को डोनाल्ड ट्रंप का बेहद करीबी माना जाता है। वह वर्तमान में भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में कार्यरत हैं। ट्रंप प्रशासन द्वारा जनवरी के मध्य में नेपाल से तत्कालीन अमेरिकी राजदूत डीन थॉम्पसन को वापस बुलाए जाने के बाद से, काठमांडू में कोई स्थायी अमेरिकी राजदूत नहीं है। ऐसे में गोर नई दिल्ली से ही नेपाल के मामलों की देखरेख कर रहे हैं।

ट्रंप ने गोर को दक्षिण और मध्य एशिया के लिए 'विशेष दूत' भी नियुक्त किया है। इस कारण उनका कूटनीतिक कद अमेरिकी विदेश विभाग के सहायक सचिव (समीर पॉल कपूर) से भी बड़ा हो गया है। इससे पहले वह वाइट हाउस में राष्ट्रपति के सहायक और 'प्रेसिडेंशियल पर्सनेल' के निदेशक रह चुके हैं, जहां उन्होंने रिकॉर्ड समय में हजारों राजनीतिक नियुक्तियां की थीं।

अमेरिका और चीन के बीच आमने-सामने की कूटनीति : नेपाल के नए प्रशासन को लुभाने के लिए वाशिंगटन और बीजिंग दोनों सक्रिय हैं। इस दौरे के ठीक पहले कुछ अहम कूटनीतिक घटनाक्रम हुए हैं।

अमेरिका के सहायक सचिव का दौरा : हाल ही में (बुधवार को) दक्षिण और मध्य एशिया के लिए अमेरिकी सहायक सचिव समीर पॉल कपूर ने अपनी तीन दिवसीय नेपाल यात्रा संपन्न की है। उन्होंने नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले और विदेश मंत्री शिशिर खनाल से मुलाकात की और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को लेकर अमेरिकी प्रतिबद्धता दोहराई। कपूर को नेपाल सरकार की ओर से आश्वासन मिला है कि विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को आकर्षित करने के लिए पुराने कानूनों की समीक्षा की जाएगी।

बिना सबूत के आरोप लगाना बंद करे अमेरिका, चीनी प्रवक्ता ने ट्रंप के दावों को बताया अटकलबाजी

बीजिंग, एजेंसी। चीन और अमेरिका के बीच कूटनीतिक तनाव एक बार फिर गहरा गया है। शुक्रवार को बीजिंग में एक नियमित प्रेस ब्रीफिंग के दौरान चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने एक रोके गए ईरानी जहाज में चीन की ओर से 'उपहार' होने की आशंका जताई थी।

प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि चीन बिना किसी तथ्यात्मक साक्ष्य के लगाए गए आरोपों और अटकलों को स्वीकार नहीं करेगा और देशों के बीच होने वाले सामान्य व्यापार को बाधित नहीं किया जाना चाहिए।

ट्रंप और निक्की हेली के दावे

दरअसल, यह विवाद तब शुरू हुआ जब राष्ट्रपति ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका ने एक संदिग्ध सामान वाले जहाज को रोका है और यह शायद चीन की ओर से भेजा गया कोई 'गिफ्ट' हो सकता है। ट्रंप ने इस पर आश्चर्य जताते हुए कहा कि उनके और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच अच्छे संबंध हैं और उन्हें लगा था कि दोनों देशों के बीच बेहतर समझ बनी हुई है।

इससे पहले, 21 अप्रैल को साउथ कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली ने सोशल मीडिया पर दावा किया था कि हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में पकड़ा गया यह जहाज चीन से ईरान जा रहा था और इसमें मिसाइलों के लिए रासायनिक सामग्री हो सकती थी। उन्होंने इसे चीन द्वारा ईरान सरकार को दिए जा रहे समर्थन की याद दिलाने वाली घटना बताया।

हॉर्मुज स्ट्रेट की संवेदनशीलता

चीनी विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने हॉर्मुज स्ट्रेट की स्थिति को 'जटिल और संवेदनशील' बताते हुए कहा कि अमेरिका द्वारा जहाज को जबरन रोकना चिंताजनक है। चीन ने सभी पक्षों से जिम्मेदारी दिखाने और क्षेत्र में तनाव बढ़ाने से बचने की अपील की है।

वैश्विक तेल व्यापार पर संकट

हॉर्मुज़ स्ट्रेट फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला एक रणनीतिक मार्ग है, जो वैश्विक तेल व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल इसी मार्ग से गुजरता है, जिसके कारण पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच यहां के हालात पूरी दुनिया के लिए संवेदनशील बने हुए हैं।

यूएस प्रेसिडेंट ट्रम्प का गोल्ड कार्ड वीजा हुआ फ्लॉप: अब तक सिर्फ 1 व्यक्ति ने ही लिया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अब तक केवल एक व्यक्ति ने ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का बहुचर्चित 'गोल्ड कार्ड' वीजा हासिल किया है। गोल्ड कार्ड वीजा में कोई विदेशी 10 लाख डॉलर (9 करोड़ रुपए से ज्यादा) देकर अमेरिका में रहने और काम करने का अधिकार पा सकता है।

वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने संसदीय समिति की सुनवाई में यह जानकारी दी। यह आंकड़ा उनकी पहले की उस घोषणा से काफी कम है, जिसमें उन्होंने कहा था कि योजना लॉन्च होने के कुछ ही दिनों में करीब 10,800 करोड़ रु. के 1300 आवेदन बेचे जा चुके हैं। लुटनिक ने सुनवाई के दौरान कहा कि फिलहाल सैकड़ों आवेदन प्रक्रिया में हैं।

ट्रम्प ने फरवरी, 2025 में 'गोल्ड कार्ड' वीजा प्रोग्राम शुरू करने का ऐलान किया था। हालांकि उस वक्त उन्होंने इसकी कीमत 5 मिलियन डॉलर रखी थी। सितंबर में इसे घटाकर 1 मिलियन डॉलर कर दिया गया था। ट्रम्प का कहना था कि यह अमेरिका फर्स्ट एजेंडे का हिस्सा है, जो टॉप टैलेंट (जैसे भारत-चीन से पढ़े स्टूडेंट्स) को रोकने और कंपनियों को अमेरिका लाने के लिए है।

गोल्ड कार्ड की अनलिमिटेड रेसीडेंसी में नागरिकों को सिर्फ पासपोर्ट और वोट देने का अधिकार नहीं मिलता, बाकी सारी सुविधाएं एक अमेरिकी नागरिक के जैसी मिलती हैं। यह प्रक्रिया उसी तरह होगी, जैसे ग्रीन कार्ड के जरिए स्थायी निवास मिलता है।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा था कि यह वीजा प्रोग्राम खास तौर पर धनी विदेशियों के लिए है, ताकि वे 1 मिलियन डॉलर देकर अमेरिका में रहते हुए काम कर सकें। अब अमेरिका सिर्फ टैलेंटेड लोगों को ही वीजा देगा, न कि ऐसे लोगों को जो अमेरिकियों की नौकरियां छीन सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस रकम का इस्तेमाल टैक्स को घटाने और सरकारी कर्ज चुकाने में किया जाएगा।

लेबनान के साथ युद्धविराम के बावजूद इस्राइली सेना और हिजबुल्ला के बीच हमले जारी, कई शहरों पर हुए हमले

लेबनान, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान के बीच एक दिन पहले ही युद्धविराम तीन सप्ताह के लिए बढ़ाने की घोषणा हुई है। हालांकि इसके बावजूद इस्राइली सेना और हिजबुल्ला के बीच लड़ाई जारी है। इस्राइली रक्षा बलों ने कहा है कि उन्होंने दक्षिणी लेबनानी शहरों याटर और काफरा में हिजबुल्ला के ठिकानों पर रॉकेट हमले किए। इस्राइल का आरोप है कि हिजबुल्ला के लड़ाके अभी भी इस्राइली सैनिकों और नागरिकों के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि दक्षिणी लेबनान में इस्राइली हवाई हमले में कम से कम छह लोग मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। वहीं हिजबुल्ला का कहना है कि उसने दक्षिणी लेबनान शहर राम्या में एक इस्राइली बख्तरबंद गाड़ी को निशाना बनाया। हिजबुल्ला ने आरोप लगाया कि इस्राइली सैनिकों ने दक्षिणी लेबनान में कुछ घरों को तबाह किया, जिसका बदला लेते हुए इस्राइली सेना को निशाना बनाया गया।

हिजबुल्ला 1992 से लेबनान की राजनीति का हिस्सा रहा है और संसद व सरकार में इसकी भागीदारी रही है। यह संगठन सामाजिक सेवाएं, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी सुविधाएं भी प्रदान करता है, जिससे इसे जनसमर्थन मिलता है।

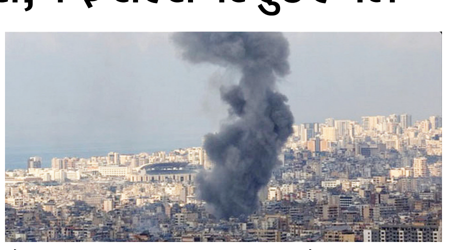

एक दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि इस्राइल और लेबनान तीन सप्ताह के लिए युद्धविराम बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने कहा कि वे तीन सप्ताह तक गोलीबारी न करने पर सहमत हो गए हैं। हम उम्मीद करते हैं कि ऐसा ही होगा। बता दें कि ईरान के समर्थन में लेबनान स्थित हिजबुल्ला संगठन के लड़ाके इस्राइल पर हमले करते हैं। इसके जवाब में बीते दिनों इस्राइल ने भी लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर बम बरसाए। इस्राइल के इन हमलों में लेबनान में भी कई बेगुनाह लोगों की मौत हुई।

वेनेजुएला में घुसकर राष्ट्रपति मादुरो को पकड़ने वाला सैनिक गिरफ्तार

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका की स्पेशल फोर्स से जुड़े एक सैनिक मास्टर सार्जेंट गैनन केन वैन डाइक को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उसने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने वाले ऑपरेशन पर सट्टा लगाया और इससे करीब 4.09 लाख डॉलर (करीब 4 करोड़ रुपए) कमा लिए।

डाइक अमेरिकी सेना के स्पेशल फोर्स (ग्रीन बैरे) का हिस्सा है। इसी यूनिट ने वेनेजुएला जाकर निकोलस मादुरो को पकड़ा था। ऐसे में डाइक को पहले से वेनेजुएला पर होने वाले सीक्रेट एक्शन की जानकारी थी। ॉ इसी जानकारी के आधार पर उसने दांव लगाया। उसके जीतने के बाद मिली रकम, भले ही गुमनाम थी, लेकिन तुरंत ही जांच एजेंसियों के शक में आ गई।

डाइक अमेरिकी सेना में मास्टर सार्जेंट के पद पर था। यह एक सीनियर पद होता है। ऐसे अधिकारी को रणनीतिक और तकनीकी मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है और वह यूनिट में अनुशासन और मानकों को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है।

जांच के मुताबिक, डाइक ने दिसंबर के आखिर में 'पॉलिमार्केट' नाम के प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बनाया। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां लोग भविष्य की घटनाओं पर दांव लगाते हैं। दिसंबर 2025 तक वेनेजुएला में घुसकर राष्ट्रपति मादुरो का तख्तापलट करने की घटना पर यकीन करने वाले लोग नहीं थे। डाइक ने इससे मिलते-जुलते नतीजों पर कुल 13 बार 32 हजार डॉलर का दांव लगाया, जैसे कि मादुरो कब तक सत्ता से हटेंगे या अमेरिका वेनेजुएला में कब तक सैन्य कार्रवाई करेगा।

यह एक जोखिम भरा दांव था, लेकिन ऑपरेशन की अंदरूनी जानकारी होने के कारण उसे भरोसा था कि यह सच साबित होगा। ऑपरेशन सफल होते ही उसका दांव सही साबित हुआ और उसे भारी मुनाफा हुआ।

छुपाने की कोशिश: क्रिप्टो के जरिए पैसे ट्रांसफर

रिपोर्ट्स के मुताबिक वैन डाइक ने अपनी पहचान छिपाने के लिए कई कदम उठाए। पहले उसने रकम को एक विदेशी क्रिप्टो वॉल्ट में भेजा, फिर अपने निजी क्रिप्टो अकाउंट में डाला और बाद में एक नए ब्रोकरेज अकाउंट में ट्रांसफर कर दिया। जब मादुरो को पकड़ने से जुड़ी संदिग्ध सट्टेबाजी की खबरें सामने आने लगीं, तो उसने अपना पॉलीमार्केट अकाउंट डिलीट करने की कोशिश की और झूठ बोला कि उसे अपने ईमेल का एक्सेस नहीं है। हालांकि तब तक जांच एजेंसियों की नजर उस पर पड़ गई थी। पॉलिमार्केट ने सोशल मीडिया पर कहा कि जब उन्हें पता चला कि कोई यूजर सीक्रेट सरकारी जानकारी के आधार पर ट्रेड कर रहा है, तो उन्होंने खुद यह मामला जस्टिस डिपार्टमें को सौंप दिया और जांच में सहयोग किया। कंपनी ने कहा कि इस तरह का अंदरूनी सट्टा उनकी नीति के खिलाफ है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com